दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित
वर्षः– 05
अंकः– 241
मुरादाबाद
(Tuesday)
23 December 2025
पृष्ठः– 08
मूल्यः– 3.00 रुपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

अनुपूरक बजट 2025 – 26: योगी सरकार ने चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण को दिये 423.80 करोड़

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने, नए मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए बड़ी रकम आवंटित की। अनुपूरक बजट से सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को विस्तार मिलेगा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ेगी। योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पेश अनुपूरक बजट में चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण को बड़ी प्राथमिकता दी है। प्रदेश में मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने, नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं के विस्तार और स्वास्थ्य

सीएम योगी ने किए जनता दर्शनः अफसरों को दिया निर्देश, फरियादियों के लिए रैनबसेरे में रुकने की व्यवस्था कराएं

सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से कुल 423.80 करोड़ रुपये की धनराशि का आवंटन किया गया है। यह बजट आवंटन प्रदेश के स्वास्थ्य तंत्र

♦ कोडिन वालों पर बुलडोजर चले तो चिल्लाना नहीं सीएम योगी ने दिया जवाब, बोले – एक भी मौत नहीं हुई

को मजबूती देने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।एसजीपीजीआई लखनऊ को दिये 120 करोड़- योगी सरकार ने अनुपूरक बजट में प्रदेश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों को वेतन अनुदान, गैर-वेतन अनुदान, व्यावसायिक एवं विशेष सेवाओं तथा विभिन्न मदों के लिए अतिरिक्त धनराशि दी गई है। सीतापुर स्थित नेहरू इंस्टिट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी एंड रिसर्च को वेतन अनुदान के लिए 1.74 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट दिया है। वहीं कैंसर संस्थान लखनऊ को विभिन्न मदों के लिए 10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट दिया है। लखनऊ के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों पर भी सरकार का विशेष फोकस रहा है।संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (स्त्रक्क्त्रढ्ढ) लखनऊ को विभिन्न मदों के लिए अलग-अलग प्रस्तावों के तहत 120 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आवश्यकता को बजट में शामिल किया गया है। इसके अलावा, सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, लखनऊ को वेतन अनुदान के लिए 1 करोड़ रुपये दिए गए हैं। डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, गोमतीनगर को भी वेतन अनुदान के लिए 20 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि स्वीकृत की गई है। वहीं, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (चत्ररू)को वेतन अनुदान के लिए 25 करोड़ रुपये दिए गए हैं। मेरठ, झांसी, गोरखपुर और प्रयागराज मेडिकल कॉलेज को भी आवंटित की धनराशि - योगी सरकार ने सरकार ने गंभीर और दीर्घकालिक रोगों के उपचार पर भी ध्यान दिया है। हीमोफीलिया रोग की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा के तहत औषधि और रसायनों की खरीद के लिए 10 करोड़ रुपये की अतिरिक्त व्यवस्था की गई है, जिससे हजारों मरीजों को राहत मिलने की उम्मीद है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेजों को भी बड़ी धनराशि आवंटित की गई है। राजकीय मेडिकल कॉलेज, आजमगढ़ को व्यावसायिक एवं विशेष सेवाओं के लिए 50 लाख रुपये, बांदा मेडिकल कॉलेज को 2.18 करोड़ रुपये, सैफई (इटावा) स्थित रूरल इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज को गैर-वेतन अनुदान के लिए 73.09 लाख रुपये दिए गए हैं। मेडिकल कॉलेज आगरा को 9.5 करोड़, गणेश शंकर विद्यार्थी स्मारक मेडिकल कॉलेज, कानपुर को 8.75 करोड़ और मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज को 6 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आवश्यकता के तहत बजट मिला है। इसी क्रम में मेडिकल कॉलेज, मेरठ को 10.65 करोड़, झांसी को 3.85 करोड़, गोरखपुर को 5.07 करोड़ रुपये दिए गए हैं। कानपुर स्थित गणेश शंकर विद्यार्थी स्मारक मेडिकल कॉलेज में स्थापित कार्डियोलॉजिकल इंस्टिट्यूट को व्यावसायिक एवं विशेष सेवाओं के लिए 5 लाख रुपये का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए स्थापित नर्सिंग कॉलेजों को भी 8.97 लाख रुपये दिए गए हैं। अन्य मेडिकल कॉलेजों में एटा को वेतन अनुदान के लिए 2 करोड़, हरदोई को गैर-वेतन अनुदान के लिए 7.5 करोड़, प्रतापगढ़ को 15 करोड़, फतेहपुर को 5.5 करोड़, सिद्धार्थनगर को 15.5 करोड़, देवरिया को 6 करोड़, गाजीपुर को 15.5 करोड़ और मीरजापुर को गैर-वेतन अनुदान के लिए 5.5 करोड़ रुपये दिए गए हैं। जेके इंस्टिट्यूट ऑफ रेडियोलॉजी एंड कैंसर रिसर्च में विशेष सेवाओं पर फोकस- योगी सरकार ने नोएडा में सुपर स्पेशियलिटी बाल चिकित्सालय एवं पोस्ट ग्रेजुएट शैक्षणिक संस्थान की स्थापना के लिए वेतन अनुदान के लिए 2 करोड़ रुपये तथा ग्रेटर नोएडा में चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए 7 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। बदायूं, फिरोजाबाद, बस्ती, अयोध्या, बहराइच और शाहजहांपुर के मेडिकल कॉलेजों को भी विभिन्न मदों के लिए करोड़ों रुपये की अतिरिक्त धनराशि दी गई है। -फेज-थ्री के तहत स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों के संचालन के लिए 45 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही जेके इंस्टिट्यूट ऑफ रेडियोलॉजी एंड कैंसर रिसर्च, कानपुर को भी विशेष सेवाओं के लिए अतिरिक्त धनराशि दी गई है। प्रदेश के कई जिलों जैसे एटा, हरदोई, प्रतापगढ़, फतेहपुर, सिद्धार्थनगर, देवरिया, गाजीपुर, मीरजापुर सहित अन्य जिलों में नए स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना के लिए प्रतीक रूप में राज्यांश की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन कार्यक्रम में फरियादियों की समस्याएं सुनी और उनके समाधान का भरोसा दिलाया। संख्या में फरियादी आते हैं। 'जनता दर्शन' में शामिल होने के लिए एक दिन पहले रात में ही वे राजधानी पहुंच जाते हैं। यहां आने वाले फरियादी रैन बसेरों में रूकें, सरकार ने रैन बसेरों में समुचित व्यवस्था की है। सीएम ने लखनऊ प्रशासन को निर्देश दिया कि वे समय-समय पर रैन बसेरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहें और यह सुनिश्चित करें कि रैन बसेरों में रहने वालों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समय ठंड काफी पड़ रही है। उन्होंने आमजन से अपील की कि पहले जिलाधिकारी व पुलिस कप्तान के पास पहुंचें और अपनी समस्याओं से अवगत कराएं। प्रशासन स्तर पर हर समस्याओं का निराकरण कराया जा रहा है। सीएम ने सभी जिलाधिकारी, पुलिस कप्तान को निर्देश दिया कि प्रतिदिन जनता की समस्याएं सुनें और उनका निराकरण कराएं, जिससे उन्हें ठंड के मौसम में लखनऊ न आना पड़े। जनता दर्शन' में कुछ फरियादी इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर भी पहुंचे थे। इस पर मुख्यमंत्री ने उनका प्रार्थना पत्र लिया और कहा कि आप अस्पताल से एस्टिमेट बनवाकर दीजिए। सरकार पहले दिन से ही इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। सरकार का संकल्प है कि इलाज के अभाव में किसी को परेशानी का सामना न करना पड़े। जमीन कब्जे की शिकायत पर सीएम सख्त – 'जनता दर्शन' में कुछ मामले जमीन कब्जे के भी आए। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रूख अपनाते हुए इसकी जांच कराते हुए कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धान खरीद के मामलों को लेकर पहुंचे किसानों की शिकायत सुनकर सीएम ने तत्काल संबंधित प्रशासन को समाधान के लिए निर्देशित किया। सीएम ने कहा कि किसानों की समस्याओं का निदान ही सरकार की प्राथमिकता है।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा बोले- प्रदूषण फैलाने वाली इंडस्ट्री बिना नोटिस के सील की जाएंगी

राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार सख्त है। प्रदूषण फैलाने वाली इंडस्ट्रीज को चेतावनी देते हुए दिल्ली के मंत्री मजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि पहचाने गए उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई शुरू हो गई है। उन्होंने स्पष्ट किया, जिन प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों की हमने पहचान की है, उन्हें बिना किसी और नोटिस के सील कर दिया जाएगा। उन्हें पहले ही कई मौके दिए जा चुके हैं।मंत्री मजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि GRAP-4 के तहत सख्त उपायों से अच्छे नतीजे मिले हैं। वाहनों से होने वाले प्रदूषण की जांच के लिए एक बड़ा अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, अब तक पिछले चार दिनों में 2,12,332 पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट (PUCC) चेक किए गए हैं, जिनमें से लगभग 10,000 गाड़ियां टेस्ट में फेल हो गई हैं।%सिरसा ने आगे कहा कि ऐसी शिकायतें मिली हैं कि कुछ प्राइवेट कंपनियाँ GRAP-4 के तहत वर्क-फॉम-होम एडवाइजरी को पूरी तरह से लागू नहीं कर रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी, %अगर किसी ऐसी कंपनी के खिलाफ शिकायत मिलती है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रेल का बढ़ा किराया तो भड़का विपक्षी खेमा, खरगे बोले- जनता को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ रही सरकार

रेल टिकट के दाम बढ़ने के बाद देशभर में आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तेज हो गई है। इसी क्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर आम जनता से लूट का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बजट से पहले किराया बढ़ाकर सरकार ने लोगों पर बोझ डाला है। खरगे ने रेलवे की सुरक्षा, खाली पदों और 'कवच' योजना पर भी सवाल उठाया।रेल मंत्रालय ने रविवार को ट्रेन की टिकट के दाम को बढ़ाने का एलान किया, जिसके बाद विपक्ष ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे मोदी सरकार पर आम लोगों से लूट करने का आरोप लगाया है। सोमवार को उन्होंने कहा कि सरकार ने एक साल में दूसरी बार रेल किराया बढ़ाया है और यह बढ़ोतरी केंद्रीय बजट से ठीक पहले की गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए पोस्ट में खरगे ने लिखा कि मोदी सरकार के दौर में रेलवे की हालत खराब हो गई है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अलग रेलवे बजट खत्म होने से जवाबदेही भी खत्म हो गई है।बता दें कि रेल मंत्रालय ने रविवार को ट्रेन टिकट के दाम बढ़ाने का एलान किया। नए नियमों के मुताबिक, साधारण श्रेणी में 215 किलोमीटर से ज्यादा की यात्रा पर प्रति किलोमीटर 1 पैसा बढ़ाया गया है। वहीं, मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की नॉन-एसी क्लास और सभी ट्रेनों की एसी क्लास में प्रति किलोमीटर 2 पैसे की बढ़ोतरी की गई है। इसके बाद से आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति बढ़ गई है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने आगे आरोप लगाया कि सरकार प्रचार में ज्यादा और काम में कम ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि रेलवे की सुरक्षा लगातार बिगड़ रही है। एनसीआरबी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि 2014 से 2023 के बीच रेलवे हादसों में 2.18 लाख लोगों की मौत हुई है। इतना ही नहीं खरगे ने रेल सुरक्षा प्रणाली 'कवच' को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पांच साल से इसकी बातें हो रही हैं, लेकिन यह अब तक 3 प्रतिशत से भी कम रेल मार्गों और 1 प्रतिशत से कम इंजनों में ही लागू हो पाया है।इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने रेलवे में खाली पदों का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि 3.16 लाख पद खाली पड़े हैं। युवाओं को स्थायी नौकरी नहीं मिल रही और ठेके पर भर्ती बढ़ रही है। खरगे ने यह भी आरोप लगाया कि रेलवे में प्रशिक्षण और मानव संसाधन विकास के लिए मिले फंड का पूरा इस्तेमाल नहीं किया गया। उनके मुताबिक, 2023-24 में सिर्फ 42 प्रतिशत और 2024-25 में दिसंबर तक 68 प्रतिशत फंड ही खर्च हुआ।

बुलंदशहर हाईवे कांड में सजाः सभी दोषियों को उम्रकैद, कोर्ट ने कहा- ऐसे राक्षसों को सभ्य समाज से दूर रखें

बुलंदशहर के नेशनल हाईवे-91 पर 28 जुलाई 2016 की रात में सामूहिक दुष्कर्म और लूटपाट के मामले के दोषियों को आज सजा सुना दी गई है। सभी दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है।बुलंदशहर के नेशनल हाईवे-91 पर 28 जुलाई 2016 की रात गाजियाबाद निवासी कार सवार परिवार को बंधक बनाकर मां-बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म और सभी परिजनों से लूटपाट करने वाले पांच आरोपियों की सजा का एलान हो चुका है। विशेष पॉक्सो न्यायाधीश ओपी वर्मा ने सभी दोषियों को उम्रकैद सुनाई है। मामले में पीड़ित परिवार ने दरिंदों को फांसी की सजा देने की मांग की थी। वहीं सजा सुनने के बाद आरोपियों ने कहा कि हम बेकसूर हैं, निर्दोषों को सजा सुनाई गई है। सजा के एलान से पहले एडीजीसी और सीबीआई के अधिवक्ता ने बताया कि 28 जुलाई की रात नोएडा निवासी परिवार के छह सदस्य शाहजहांपुर अपने पैतृक गांव में एक तेरहवीं में शामिल होने के लिए जा रहे थे। देहात कोतवाली क्षेत्र में दोस्तपुर फ्लाईओवर के निकट अज्ञात बदमाशों ने उनकी कार पर लोहे की वस्तु फेंककर रुकवा लिया था। इसके बाद आरोपियों ने कार सवार किशोरी, उसके पिता, मां, ताई, ताऊ व तहेरे भाई को बंधक बना लिया और कार समेत सड़क के दूसरी तरफ खेत में ले गए। वहां आरोपियों ने तीनों पुरुषों के हाथ पैर बांध दिए और वादी मुकदमा की 14 वर्षीय किशोरी व पत्नी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी वहां से लूटपाट कर भाग निकले थे। सीबीआई की जांच में बावरिया गिरोह के आरोपी जुबैर उर्फ सुनील उर्फ परवेज, सलीम उर्फ बीना उर्फ दीवानजी, साजिद निवासीगण गांव इटखारी बिनौरा, थाना तिरवा जनपद कन्नौज के नाम प्रकाश में आए। जांच पूरी होने पर सीबीआई ने आरोपी जुबैर, सलीम और साजिद के खिलाफ चार्जशीट न्यायालय में दाखिल कर दी थी। इसके कुछ समय बाद सीबीआई ने दूसरी चार्जशीट आरोपी धर्मवीर उर्फ राका उर्फ जितेंद्र, नरेश उर्फ संदीप उर्फ राहुल निवासी गांव गेशनपुर थाना मोहम्मदाबाद जिला फर्रुखाबाद, सुनील उर्फ सागर निवासी गांव बानवोई, आजादनगर थाना मोहम्मदाबाद के खिलाफ दाखिल की थी।न्यायालय में कुल छह आरोपी जुबैर, सलीम, साजिद, धर्मवीर, नरेश और सुनील के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हुई। एक आरोपी सलीम की करीब चार वर्ष पूर्व जिला कारागार बुलंदशहर में विचरण के दौरान बीमारी से मृत्यु हो गई। न्यायालय ने शनिवार को इन सभी पांच आरोपियों को दोषी करार दिया। शनिवार को सभी आरोपियों को न्यायालय से जिला कारागार बुलंदशहर भेज दिया गया था।बेचैन रहे दोषी, चेहरे पर दिखा सजा का डर

जिला जेल की बैरक संख्या 11 बी में पांचों दोषियों की रात बेचैनी में कटी।

संपादकीय Editorial

Conspiracies to 'break India'

December 16th, 1971, marked the day when 93,000 Pakistani soldiers surrendered to the Indian Army. They were forced to lay down their weapons. This marked the beginning of Bangladesh's liberation. Indian forces played a significant role in the Bangladesh Liberation War and fought to divide Pakistan. East Pakistan ultimately became Bangladesh. It was India's creation, but after Sheikh Hasina's overthrow from the Prime Ministership, our own 'children' are now challenging us. This should be intolerable. India must respond strongly, and indeed, take action. Simply summoning the ambassador to the Ministry and expressing protest will not achieve anything, as the situation has reached the point of 'break India'. Anarchist and jihadist elements in Bangladesh are issuing threats. In addition to threats to separate the seven northeastern states from India, reactivate insurgents there, and fuel tension and extremism, conspiracies are also being hatched. Now, Pakistan is calling Bangladesh its "brother" and has become the mastermind of conspiracies. Efforts are underway to bring Paresh Barua, the leader of ULFA's military wing, from China to Dhaka to destabilize the Northeast. A highly provocative and frenzied protest was held outside the Indian Embassy in Dhaka. Attempts were made to enter the embassy. Slogans were raised: "Follow the path of Babur, liberate the seven states"... "Break down those who harbor a murderer." Sheikh Hasina, who has been granted asylum by India, is being labeled a "murderer." The Bangladesh government is repeatedly urging India to hand over Sheikh Hasina. Bangladesh's Chief Advisor (indirectly Prime Minister), Muhammad Yunus, is 85 years old, but his sole aim seems to be to hang Sheikh Hasina. In this regard, a court there has even obtained a death sentence. Yunus was awarded the Nobel Prize in 2006, but at this young age, his political ambitions have emerged. National development aside, he seems determined to transform Bangladesh into a radical Islamic state! Violent protests are taking place across the country, Hindus are being murdered and threatened with eviction, Hindu temples, homes, and shops are being vandalized and set on fire. It's a climax that conspiracies to separate the northeastern states from India are now emerging. Bangladesh's fundamentalist and radical groups are calling for the "chickenneck" between Bangladesh and the northeast to be closed, so that the northeast is automatically separated from India. Bangladesh's radical, anti-India groups seem unaware that India could have widened or annexed this "chickenneck" in 1971, but India respected Bangladesh's liberation and independence. Last Thursday, a report by the Foreign Ministry's Standing Committee in Parliament stated that China is building the runway for the Bangladesh Air Force's Lalmonirhat Airbase. This area is very close to the Siliguri Corridor, known as the sensitive "Chickenneck." It appears that China is also involved in the conspiracy along with Pakistan! Three officers from Pakistan's intelligence agency, the ISI, traveled to Bangladesh on fake passports. Two naval officers also traveled to Dhaka. The "National Citizen Party" was formed in Bangladesh on February 28, 2025, thanks to the ISI. Its jihadi and agitating elements are active in the "Break India" campaign. Furthermore, clerics from the Lashkar-e-Taiba and Jaish-e-Mohammed terrorist organizations have also become active in Bangladesh, teaching jihad, especially to young people. India has 16 visa centers in Bangladesh, two of which have been closed, but the threat is even greater. The Indian government will have to take a tough decision immediately. To stop such violent incidents in the country, the government will have to take strict steps.

Meaningful Initiatives to Reform Higher Education, Time to Make Organized Efforts for Better Implementation

The Central Government has passed the "Developing India Education Foundation Bill, 2025" to reform higher education. It aims to establish a single regulatory framework in the education sector. This bill will replace several institutions such as the UGC and AICTE and will operate under the Ministry of Education. Its goal is to make higher education quality and accessible, increase coordination between institutions, and reduce red tape. Recently, the Central Government made partial changes to the Higher Education Commission of India (Abolition of University Grants Commission) Bill, 2018, paving the way for its implementation. The new bill, titled "Developing India Education Foundation Bill, 2025," has been submitted to a Joint Parliamentary Committee for consideration. This will be the sole regulatory framework for the entire higher education sector. However, medical, pharmacy, and law education will not be covered by it. Currently, several regulatory bodies operate in the higher education sector, each with its own set of standards. More than a dozen regulatory bodies, including the UGC, AICTE, NCTE, Council of Architecture, Council of Agricultural Science Research, Distance and Open Learning, Online and Digital Education System, ICSSR, ICAR, NAAC, and NIRF, are responsible for the affiliation, evaluation, accreditation, ranking, funding, and control of higher education and research institutions across the country, including those in the arts, sciences, business, engineering, education, management, and agricultural education. Under these separate regulatory bodies, higher education suffered from fragmentation and multi-layered control. Numerous higher education and research institutions across the country offer a variety of courses and conduct related research. It is noteworthy that the National Education Policy emphasizes the gradual multidisciplinary transformation of all institutions. The "steel frame" of distance and isolation between various professional and traditional institutions is being gradually dismantled. The new commission will be responsible for ensuring quality and accessibility of higher education in India. These multi-disciplinary higher education and research institutions had to approach various regulatory bodies. In this process, these institutions faced numerous problems. These regulatory bodies were often accused of irregularities and bias. These regulatory bodies were also not without fault in the development and implementation of curriculum. These autonomous regulatory bodies were also prone to internal conflicts and contradictions, causing unnecessary obstacles and hindrances for the institutions involved. Therefore, the Central Government, after evaluating the functioning of all these regulatory bodies, decided to bring them under a single, all-encompassing body. Under the new system, the Vikas Bharat Shiksha Pratisthan (Developed India Education Foundation) will operate directly under the supervision of the Ministry of Education. It will replace the UGC Act of 1956, the AICTE Act of 1987, and the NCCT Act of 1993. Such a single, centralized body was also recommended by the National Knowledge Commission (2009) and the Yashpal Committee (2010). This commission will eliminate the lack of coordination, coherence, and proactiveness among various institutions, as well as the influence of red tape, and ensure accountability, transparency, and timely action. In addition to the chairman, it will have 12 members. The commission will have three verticals: the Vikas Bharat Shiksha Niyog Parishad, Vikas Bharat Standards Parishad, and Vikas Bharat Shiksha Quality Council. These verticals will function as regulators, accreditors, and professional standards-setting. The new system also provides for fines ranging from ?10 lakh to ?2 crore for institutions that fail to comply with prescribed standards, procedures, and quality. This commission will simplify and streamline the existing system of dual and triple regulation of higher educational institutions, eliminating dual and triple interference in the management of educational institutions. The commission will regulate standards and quality in higher education in a transparent manner, through public presentation and merit-based decision-making. This commission, in addition to focusing on learning outcomes, will also be responsible for improving educational standards, evaluating the academic performance of institutions, mentoring institutions, training teachers, and promoting the use of modern educational methods and technology. This commission will provide greater flexibility and autonomy while creating a conducive environment for the regulation and operation of institutions. It will also have the power to ensure compliance with academic quality standards in higher education institutions and close down substandard and paper institutions. The formation of this integrated and all-powerful commission will also save time, manpower, resources, and money. This new initiative is very meaningful, but it must also be understood that the education system must not be considered solely the responsibility of the government, but must ensure participation and accountability of all stakeholders. Serious consideration is needed to ensure quality and transparency in the recruitment process, foresight and efficiency in governance, partial and proportionate participation in infrastructure development, and all stakeholders contributing their best to increase productivity. The responsibility-averse and rights-conscious intellectual society of higher education system neither has the moral courage to question the government nor to work for the welfare of the country and society. It has the potential to do so. It is ridiculous that some opposition and South Indian MPs have criticized the name of this institution, calling it an attempt to impose Hindi. It should be noted that this is the time to embrace positive reforms and make concerted efforts to better implement them. Otherwise, the higher education system will also follow the same path as the school education system.

Global acceptance of Indian heritage, an opportunity to introduce the world to its cultural power

Diwali has been included in the UNESCO Cultural Heritage List, a significant achievement for India. It is India's 16th intangible heritage. India's cultural traditions are vibrant and vibrant in the lives of every Indian. UNESCO has recognized Diwali as a cultural philosophy. This is an opportunity for India to expand cultural dialogue and enhance its global influence. Diwali, the festival of the triumph of light over darkness, has been included in the United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization (UNESCO) Cultural Heritage List. This is an achievement for India. Until now, 15 Indian heritage sites were included in the UNESCO Intangible Cultural Heritage List. These include the Kumbh Mela, Gujarat's Garba dance, Kolkata's Durga Puja, yoga, Veda recitation, Ramlila, Chhau dance, Navroz festival, and Kalbelia dance. Diwali has been added to the UNESCO List as the 16th intangible heritage. India's cultural traditions are not merely a testament to the past; they are fully alive and vibrant in the nuanced experiences of every Indian's life. Through its festivals, customs, folklore, music, dance, food, and social practices, India not only preserves its past but also keeps its soul alive. When a cultural tradition is established on the global stage, its meaning and essence transcend localism and move towards universality. UNESCO recognizes Diwali not only as a festival but also as a cultural philosophy that has been an integral part of our society since time immemorial. India's cultural system is as vast as it is complex. At every step, language, food styles, clothing, folk song tunes, festival traditions, customs, etc., emerge, taking on different forms. Yet, the unity within this diversity is what binds all these diversities together. The festival of Diwali is a prime example of this unifying thread. While the number of lamps may vary across different parts of the country, the meaning, form, and message of light remain the same. Understanding this breadth and multi-layeredness is in itself an understanding of India's cultural strength. Diwali's inclusion in the UNESCO list is not merely a cultural achievement, but a significant opportunity for India to expand cultural dialogue, enhance global influence, and instill cultural confidence in future generations. It would be better if we could utilize this opportunity for cultural enrichment, economic empowerment, and social cohesion, as in the future, foreign tourists will also be inclined to visit India during Diwali. This will enable our cultural and traditional industries and skills to establish themselves globally. Indianness exists in some form or another in every country of the world. Indians worldwide can bring Diwali the same level of global acceptance as Christmas or New Year. People of Indian origin living in different countries should contribute to establishing Diwali culture on the world stage. Indian embassies and high commissions must also take initiative in this direction. Global acceptance doesn't just mean gaining international respect. Responsibilities also increase proportionately with this acceptance. In the era of globalization, many things lose their original form in the glare of the market, making it even more essential and challenging to preserve the core elements of Diwali. This festival should become a subject of study within the deeper cultural layers of human civilization. Today, many cultural traditions in the Western world have been reduced to mere ceremonial celebrations. In contrast, folk culture in India remains alive. This vitality is what makes India culturally unique. In global politics, sovereignty is a force that connects countries through cultural appeal and moral influence. Yoga, Ayurveda, Indian cuisine, Indian cinema, Indian music, and now Diwali, have all become pillars of India's sovereignty. When a nation establishes its identity on the world stage through its cultural heritage, its global image becomes more positive and its international role more effective. Tourism, cultural industries, handicrafts, traditional arts, folk dances, and traditional cuisine all gain a global platform. Today, when civilizations are going through conflict, a cultural message that speaks of light, joy, unity, and auspiciousness can become a guiding light for humanity. This UNESCO decision entrusts India with a new responsibility: the preservation, promotion, and renaissance of its culture. Connecting the modern generation to its roots, living festivals with their true meaning, and preserving our cultural soul amidst foreign influences and commercialization should be our goal. The global recognition of Diwali reminds us that our cultural traditions are not merely religious or social practices; they also play a vital role in enriching the meaning of our lives.

तीन से अधिक बार तोड़ा ट्रैफिक नियम, 200 चालकों का डीएल निलंबित, 150 से अधिक वाहनों का चालान

परिवहन विभाग ने पिछले तीन महीनों में यातायात नियमों का बार-बार उल्लंघन करने वाले 200 चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए हैं। एक महीने में लगातार तीन से अधिक बार नियम तोड़ने वालों पर यह कार्रवाई हुई। दिसंबर माह में सबसे अधिक लाइसेंस निरस्त हुए। परिवहन विभाग ने पिछले तीन महीने में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 200 लोगों का ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित कर दिया। इन लोगों ने एक महीने में लगातार तीन से अधिक बार यातायात नियमों का उल्लंघन किया है।

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हेलमेट न पहनने, सिग्नल जंप करने, गलत दिशा में गाड़ी चलाने और गलत दिशा में गाड़ी चलाने पर डीएल पर निलंबन की कार्यवाही की गई है। परिवहन विभाग ने एक महीने के भीतर यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 80 चालकों का डीएल निलंबित किया हैपिछले तीन महीने के आंकड़े के अनुसार दिसंबर में सबसे अधिक डीएल निलंबित किए गए हैं। परिवहन विभाग के निर्देशानुसार लाल बत्ती जंप करने, ओवर स्पीड, ओवर लोडिंग, माल वाहक वाहनों में यात्रियों को ले जाने, ड्राइविंग करते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने या शराब पीकर गाड़ी चलाने जैसे अपराधों के लिए लगातार तीन से अधिक चालान पाए जाने वाले व्यक्ति निरस्त करने का प्रावधान है।

जिले में प्रतिदिन सैकड़ों चालक यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं। एआरटीओ हरिओम ने बताया कि परिवहन विभाग की ओर से हर महीने ओवर लोडिंग समेत अन्य के 150 अधिक वाहनों के चालान किए जाते हैं। कई वाहन ऐसे भी मिलते हैं जिनका चालान एक महीने में चार से पांच बार रहता है। बिना परमिट के 150 से अधिक वाहनों का चालान- परिवहन विभाग के अनुसार मुरादाबाद जिले में पिछले नौ महीने में बिना परमिट के चलने वाले 150 से अधिक कॉमर्शियल वाहनों का चालान भी किया गया है। परमिट शर्तों का उल्लंघन करने पर करीब 200 कॉमर्शियल वाहनों का चालान किया गया।

यदि कोई भी वाहन चालक तीन से अधिक बार यातायात नियमों का उल्लंघन करता पाया जाता है तो उसका डीएल निलंबित करने का प्रावधान है। यातायात नियमों का पालन करने के लिए चालकों को जानकारी दी जाती है। -राजेश सिंह, (प्रशासन) आरटीओ

संजय सिंह बोले...प्रदेश में वोट काटने की साजिश कर रहे योगी और मोदी

रामपुर । पहाड़ी गेट स्थित आसरा कालोनी में हुई जनसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एसआईआर के नाम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार मिलकर साढ़े तीन करोड़ वोट काटने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी साजिश के खिलाफ यह पदयात्रा शुरू की गई है, क्योंकि अब यह लड़ाई केवल चुनाव की नहीं बल्कि वोट, संविधान, लोकतंत्र और स्वाभिमान को बचाने की लड़ाई है। सांसद ने कहा कि वोट की ताकत ही वह ताकत है जिसके सामने प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक को झुकना पड़ता है। लेकिन जिस दिन वोट का अधिकार खत्म हो गया, उस दिन सत्ता लाठी के दम पर जनता को कुचल देगी। भाजपा द्वारा लोकतंत्र और संविधान पर हो रहे सुनियोजित हमलों के खिलाफ रविवार को रामपुर की धरती से प्रदेश प्रवक्ता फैसल खां लाला की अगुवाई में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने पदयात्रा का आगाज किया। आम आदमी पार्टी की 'वोट बचाओ, संविधान बचाओ पदयात्रा आसरा कॉलोनी, पहाड़ी गेट से शुरू हुई। इससे पहले हुई जनसभा में सांसद ने कहा कि बापू ने जीवन भर अहिंसा, भाईचारे और लोकतंत्र की रक्षा का संदेश दिया और आज उसी विचारधारा को बचाने का संकल्प रामपुर की धरती से लिया गया है।

उन्होंने कहा कि नफरत की राजनीति से न देश बन सकता है और न समाज, इसलिए यह पदयात्रा सिर्फ एक पैदल मार्च नहीं बल्कि लोकतंत्र को बचाने की हुंकार है। 21 दिसंबर से 26 दिसंबर तक चलने वाली यह पदयात्रा रामपुर से शुरू होकर मुरादाबाद और अमरोहा तक जाएगी। पदयात्रा के दौरान जगह-जगह जनसभाएं और जनसंवाद आयोजित कर आम जनता को वोट और संविधान बचाने की लड़ाई से जोड़ा जाएगा। यह लोग रहे मौजूद = पदयात्रा में प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह, प्रदेश महासचिव दिनेश पटेल, अध्यक्ष रूहेलखंड प्रांत मोहम्मद हैदर, अंसार अहमद, मोहम्मद जफर, सरफराज गुडडू, वकील अहमद, शावेज अंसारी, शावेज उर्फ भूरा, मुशाहिद खां गुड्डू, मोहम्मद तारिक, शारिक परवेज, मोहम्मद वकील, अब्दुल अय्यूब, फैजान सैफी, वकील हैदराबादी, नियाज अहमद, बशीर अहमद, इकबाल हुसैन, इमरान, शिराज अहमद, मुन्ने अली, सलीम अहमद, एजाज अहमद, पूर्व प्रधान रईस उद्दीन, इकरार अहमद, सलीम अहमद, जावेद हबीब, फायजा बी, शाहीन बी, शहनाज मलिक, मैसरा मुख्तार, नगमा बी, राशिद अली, नजम खां, फैज खां, जुबैर मियां,आमिर खां, नासिर हुसैन, शिराज जमील खां, वासिफ खां,अब्दुल समद,उवैज खां, एहतेशाम खान, तालिब खान, आशु अंसार,आरिश खां, रय्यान खां, वासिफ खां, अरहम खां, आलमगीर, ऋषि पाल, मुकेश, भीम सिंह, इंद्रमणि,महेश सैनी समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

विकास मंजिल में आग... तीन दुकानें जलीं, आठ गाड़ियों को आग बुझाने में लगाया, शॉर्ट सर्किट बताई जा रही वजह

मुरादाबाद में आग लगने से तीन दुकानें जल गई। भीषण आग लगने की सूचना के बाद दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे। उन्होंने चार घंटे की कोशिश के बाद काबू पाया।मुरादाबाद कोतवाली थाना क्षेत्र के आबकारी भवन के नजदीक विकास मंजिल के बेसमेंट में बनी तीन दुकानों में शनिवार की देर रात अचानक भीषण आग लग गई।

धुआं उठने पर लोगों को घटना की जानकारी हुई। फायर ब्रिगेड ने चार घंटे में आग पर काबू पाया।इस दौरान दुकानों में रखे लाखों के सामान जलकर नष्ट हो गए। घटना का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आबकारी भवन के नजदीक स्थित विकास मंजिल के बेसमेंट में अलग-अलग कारोबारियों की दुकानें हैं। इसमें जगदीश लाल की रस्सी और वाइपर समेत अन्य सामान की दुकान, सोनी की फाइबर एवं लोहे की शीट की दुकान के अलावा दीपक की इन्वर्टर की दुकान है।इन दुकानों में शनिवार की रात 11 बजे आग लग गई। धीरे-धीरे आग का धुआं ऊपर उठने के बाद विकास मंजिल में तैनात चौकीदार को इसकी जानकारी हुई।

चौकीदार ने तत्काल दुकानदारों को फोन पर घटना की सूचना दी। इसके बाद दुकानदारों ने अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को घटना से अवगत कराया।

सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड के जवान और अधिकारी गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे। कुछ ही देर में कोतवाली सीओ सुनिता दहिया भी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गईं। इस बीच एफएसओ ज्ञानप्रकाश शर्मा एवं अग्निशमन द्वितीय अधिकारी मोहित शर्मा के नेतृत्व में जवानों ने आग को बुझाना शुरू किया।

चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को काबू में किया गया। आग बुझाने में सुबह चार बज गए। सीएफओ डॉ. राजीव कुमार पांडेय ने मौके का मुआयना किया। दुकानदारों का कहना था कि आग से दुकान में रखीं रस्सियां, इन्वर्टर, प्लास्टिक के सामान सहित लाखों के सामान जलकर नष्ट हो गए। दुकानदारों ने जले हुए सामानों को किसी प्रकार हटाया।

आठ गाड़ियों को आग बुझाने में लगाया गया, शॉर्ट सर्किट को बताया जा रहा वजह- सीएफओ डॉ. राजीव कुमार पांडेय ने बताया कि बेसमेंट से आग बुझाना कठिन था। इस कारण शीशों को तोड़कर अग्निशमन विभाग के जवानों ने आग बुझाना शुरू किया। आठ गाड़ियों की मदद से आग बुझने पर लोगों ने राहत की सांस ली। भूतल स्थित दुकान की आग बुझाने में कोई दिक्कत नहीं होती है लेकिन बेसमेंट की आग को बुझाना थोड़ा मुश्किल होता है। प्राथमिक जांच में आया है कि आग धीरे-धीरे एक दुकान के बाद तीनों दुकानों तक फैली है। आग विकराल रूप धारण कर ली। इसके बाद चौकीदार को जानकारी मिल सकी। यदि आग को काबू में नहीं किया जाता तो अन्य दुकानें भी प्रभावित हो सकती थीं।

घटना का प्राथमिक कारण शार्ट सर्किट प्रतीत हो रहा है लेकिन जांच करने पर अन्य तथ्य भी सामने आ सकते हैं। इस मामले में दुकानदारों से नुकसान की सूची मांगी गई है।

अग्निकांड में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आग लगने की वजह प्रथम दृश्य शॉट सर्किट प्रतीत हो रहा है। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। -डॉ. राजीव कुमार पांडेय, मुख्य अग्निशमन अधिकारी

मुरादाबाद से दिल्ली का सफर महंगा, नई एसी बस का किराया 55 रुपये ज्यादा, दस नई बस की जा रही संचालित

मुरादाबाद-दिल्ली रूट पर नई एसी बसों का संचालन शुरू कर दिया गया है। पहले किराया 310 रुपये था जिसे बढ़ाकर 365 कर दिया गया है। इस हिसाब से यात्रियों पर 55 रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ा है। नई एसी बसों के कारण पुरानी एसी बसों का संचालन फिलहाल बंद कर दिया गया है।मुरादाबाद से दिल्ली रूट पर नई एसी बसों का संचालन शुरू कर दिया गया है। दिल्ली तक इसका किराया 365 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि पुरानी एसी बस का किराया 310 रुपये था। नई एसी बसों के चलने से परिवहन निगम ने दिल्ली रूट पर पुरानी एसी बसों का संचालन बंद कर दिया।मुरादाबाद से दिल्ली तक एसी बस का सफर करने वाले यात्रियों पर 55 रुपये का बोझ बढ़ गया, जबकि रूट व दूरी में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पुरानी एसी बसों के स्थान पर नई एसी बसों का संचालन किया जा रहा है। इसलिए नई एसी बसों से सफर करना यात्रियों की मजबूरी है।बसों का टिकट ऑनलाइन व ऑफलाइन उपलब्ध है। मुरादाबाद बस अड्डा इंचार्ज किरण पाल सिंह ने बताया कि दिल्ली के लिए एसी बसें सुबह 5=15 बजे से शाम 6=15 बजे तक हर एक घंटे में यात्रियों को मिलेंगी। यात्री अपनी सुविधा के अनुसार टिकट ऑनलाइन व ऑफलाइन ले सकता है। दिल्ली रूट पर मुरादाबाद से कुल 10 नई एसी बसें चल रही हैं। पुरानी एसी बसों की अपेक्षा नई एसी बसों का किराया 55 रुपये अधिक है। किराया शासन द्वारा निर्धारित किया गया है। दिल्ली के लिए पुरानी एसी बसों का किराया पहले भी 365 रहा है। उनका कहना है कि पुरानी एसी बसें वर्कशाप में खड़ी हैं। यह बसें फिर से संचालित की जाएंगी। इसके लिए समय निर्धारित किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद: धार्मिक किताब बांटने पर मंडी क्षेत्र में मारपीट, देवी देवताओं के खिलाफ टिप्पणी, भड़के लोग

मझोला में एक धार्मिक किताब को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। हंगामा बढ़ने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है। मझोला थाना क्षेत्र के मंडी क्षेत्र में भी एक धर्म गुरु के अनुयायियों द्वारा रविवार को दोपहर किताब बांटने पर विरोध और मारपीट हुई। दो युवकों ने किताब बांट रही एक महिला और किताब लेने वाले व्यक्ति को पीट दिया तो हंगामा खड़ा हो गया।घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने डांट फटकार कर दोनों पक्षों को शांत कराया। पहले रामगंगा विहार में भी किताब बांटने पर हंगामा हुआ था। सिविल लाइंस क्षेत्र के हिमगिरी कॉलोनी में 14 दिसंबर को महिला सहित पांच लोग एक धार्मिक किताब बांट रहे थे।इस बीच एक व्यक्ति ने धार्मिक किताब लेने के बाद उसको कुछ देर तक अध्ययन किया। इसके बाद आरोप लगाया कि किताब में हिंदू देवी देवताओं के खिलाफ टिप्पणी की गई है। कुछ देर में ही किताब को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। विरोध की वजह से किताब बांटने वाले भाग खड़े हुए।

पुलिस ने किताब बांटने वालों को हरथला पुलिस चौकी में बुलाया। सूचना के बाद बजरंगदल के पदाधिकारी पहुंच गए और कार्रवाई की मांग करने लगे। दोनों पक्ष सिविल लाइंस थाने पहुंचे थे। बातचीत के बाद भी विवाद का कोई समाधान नहीं निकला। इसी प्रकार रविवार को अनुयायी किताबों को बांटने के लिए मझोला के मंडी क्षेत्र में पहुंच गए।

अनुयायी ने एक व्यक्ति को किताब दी। इस बीच दो युवक विरोध करने के लिए पहुंच गए। विवाद के दौरान दोनों युवकों ने किताब बांट रही कटघर निवासी महिला पूजा पर डंडे से वार कर दिया। इस बीच विरोध करने पर युवकों ने किताब लेने वाले व्यक्ति को भी पीट दिया।

पुलिस किताब बांटने वाले अनुयायियों को लेकर मंडी पुलिस चौकी में पहुंची। किताब वितरित करने वाले लोगों ने मामले का शिकायती पत्र पुलिस को दिया है। इस बारे में थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि विवाद हुआ था। पुलिस शिकायत के आधार पर जांच कर रही है।

श्रद्धा भाव से निकली शोभायात्रा, गूंजा एक तू सच्चा तेरा नाम सच्चा

मुरादाबाद । महानगर में एक तू सच्चा तेरा नाम सच्चा दिव्य मंत्र के दृष्टा, ऋषि सत्पुरूष बाबा फुलसंदे वालों की शोभायात्रा श्रद्धा, भक्ति और अनुशासन के साथ निकाली गई। शोभायात्रा में आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ा कि पूरा नगर आध्यात्मिक वातावरण में सराबोर हो गया। शोभायात्रा से पहले बाबा फुलसंदे वाले पारकर इंटर कॉलेज रोड पहुंचे, जहां उन्होंने सभी झांकियों का अवलोकन किया। झांकियों में विराजमान देवगणों और ऋषियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इसके बाद वह अपने रथ पर विराजमान हुए। उन्हें मुकुट पहनाया, चादर ओढ़ाकर सम्मानित किया और आरती कर शोभायात्रा के संचालन की अनुमति मांगी गई। शोभायात्रा का आरंभ पारकर इंटर कॉलेज रोड से हुआ। सबसे आगे धर्मध्वज और राष्ट्रीय ध्वज के साथ रामऔतार गंगवार और वीर सिंह चल रहे थे। उनके बाद अखंड ज्योति प्रज्वलित थी, जिसके पास श्रद्धालु पारब्रह्म परमेश्वर के दिव्य मंत्र एक तू सच्चा तेरा नाम सच्चा का सुमरन करते हुए प्रसाद वितरण कर रहे थे। भारत माता, भगवान गणेश, कुमार कार्तिकेय, महर्षि वाल्मीकि, यमराज व ब्रह्मा, विष्णु और महेश की आकर्षक झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। सभी झांकियों के साथ सफेद वस्त्रों में माताएं, बहनें एवं पुरुष श्रद्धालु पंक्तिबद्ध होकर चल रहे थे और सच्चे मोती की माला से दिव्य मंत्र का जाप कर रहे थे। डीजे पर मंत्र का संगीतमय जाप वातावरण को भक्तिमय बना रहा। शोभायात्रा के सबसे पीछे बाबा फुलसंदे वालों का रथ चल रहा था, जिस पर वे स्वयं सुमरन करते हुए श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दे रहे थे। यह शोभायात्रा पारकर इंटर कॉलेज रोड से शुरू होकर रेलवे स्टेशन रोड, इंपीरियल तिराहा, बुद्ध बाजार, जीएमडी रोड, ताड़ीखाना रोड, गुरहट्टी चौराहा, जेल रोड होते हुए कंपनी बाग पहुंचकर संपन्न हुई। मार्ग में जगह-जगह आम लोगों, व्यापारियों एवं दुकानदारों द्वारा बाबा फुलसंदे वालों का स्वागत किया गया व जलपान की भी व्यवस्था की गई। समापन स्थल पर साध संगत एवं धर्मप्रेमियों ने आशीर्वाद एवं प्रसाद प्राप्त किया। शोभायात्रा पुलिस प्रशासन के सहयोग से पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। धर्मार्थ समिति की अध्यक्षा डॉ. रंजना सिंह और मीडिया प्रभारी सुंदर सिंह ने बताया कि सत्पुरूष बाबा फुलसंदे वालों का सत्संग 22, 23 एवं 24 दिसंबर खुशहालपुर स्थित रॉयल विला बैंक्वेट हॉल में आयोजित किया जाएगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

पानी बना किसानों में आक्रोश का माहौल

भगनापुर, उदयपुर,अनेक गांव से गुजरने वाली सभी शारदा खंड नहरों में पानी न आने से किसान परेशान हो गए हैं सरसों, गेहूं, गन्ने की फसल लगी हुई

क्यूँ न लिखूँ सच /शेर सिंह/ बरेली के ब्लॉक बिथरी चैनपुर थाना भुता क्षेत्र के गांव रसूल,लहिया, भड़रिया, है,और उन्हें पानी नहीं मिल पा रहा है किसानों में आक्रोश का माहौल बना हुआ है, किसानों ने इसकी सूचना अंतरराष्ट्रीय हिंदू सेना के जिलाध्यक्ष अजय पटेल को दी है, किसानों का कहना है कि जब पानी की जरूरत होती है तो नहर में पानी बिल्कुल नहीं आता है, जब किसानों को पानी की जरूरत नहीं होती है, तब नहरों में पानी छोड़ा जाता है,अंतरराष्ट्रीय हिंदू सेना के जिलाध्यक्ष को इसकी जानकारी मिलते ही उन्होंने इसकी शिकायत एक्स पर अधिकारियों से की है,

10 बजे के बाद छंटा कोहरा... खिली धूप, लोगों की मिली राहत

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। में रविवार को दिनभर धूप खिली तो सोमवार को फिर से कोहरा छा गया। सुबह छह बजे इतना घना कोहरा था कि दृश्यता बेहद कम हो गई। इसके कारण वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर वाहन चलाना पड़ा। सुबह साढ़े 10 बजे के बाद कोहरा छंटना शुरू हुआ। दोपहर में हल्की धूप खिलने से थोड़ी राहत मिल सकती है। मौसम विभाग ने सप्ताहभर घना कोहरा छाने का अनुमान जताया है। इसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। बीते पांच दिनों तक घने कोहरे और शीतलहर से ठिठुर रहे लोगों को रविवार को हल्की राहत मिली। सुबह कोहरे के साथ हुई पर नौ बजे के बाद हवा चली। कोहरा छंटा तो धूप खिली। इससे दिन का पारा चार डिग्री चढ़ा। इधर, शनिवार रात भर बर्फीली हवा से पारा लुढ़ककर 5.1 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। यह सीजन की सबसे सर्द रात रही। रविवार को दिन में धूप खिलने से रात के तापमान में इजाफा है। न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ अतुल कुमार के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ और पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवा की वजह से कोहरे और शीतलहर का प्रकोप हावी है। रविवार को कोहरा छंटने से आसमान साफ हुआ और धूप निकली। इससे दिन का पारा चार डिग्री बढ़त के बावजूद सामान्य तापमान 22.7 डिग्री से पांच डिग्री कम 17.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। रात का तापमान चार डिग्री लुढ़ककर सामान्य तापमान 7.3 डिग्री से दो डिग्री कम 5.1 डिग्री सेल्सियस रहा था। सुबह 10 बजे से खुले स्कूल – कड़ाके की ठंड और घने कोहरे को देखते हुए डीएम के निर्देश पर स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। बीएसए डॉ. विनीता की ओर से जारी आदेश के मुताबिक अब कक्षा एक से आठ तक के सभी विद्यालय प्रातः 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक संचालित होंगे। यह आदेश बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों, सभी बोर्डों से मान्यता प्राप्त स्कूलों और सहायता प्राप्त (एडेड) विद्यालयों पर समान रूप से लागू होगा। इससे पहले ठंड के कारण शनिवार तक अवकाश घोषित था। पाठ्यक्रम समय से पूरा करने और आगामी परीक्षाओं के दृष्टिगत स्कूलों को खोलने का निर्णय लिया गया है, लेकिन विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए समय बदल दिया गया है। सोमवार को सभी स्कूल 10 बजे से खुले। बीएसए डॉ. विनीता ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और अगले आदेशों तक प्रभावी रहेगा। सभी स्कूलों को निर्देशित किया गया है कि वे समय परिवर्तन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। यदि कोई विद्यालय आदेश का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

गोवंश की दुर्दशा पर संगठनों ने किया प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। हिंदू संगठनों ने सोमवार को सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने बताया कि वर्तमान समय गोवंश के लिए अत्यंत कष्टदायक हो गया है। जनपद की गोशालाओं में संरक्षित गोवंश को भोजन, स्वच्छ पानी, उपचार और उचित शेड जैसी बुनियादी सुविधाओं का भारी अभाव झेलना पड़ रहा है।संगठनों का कहना है कि पौष्टिक आहार न मिलने के कारण गोवंश कमजोर नजर आ रहे हैं, लेकिन न तो उनका समुचित उपचार कराया जाता है और न ही उनकी सही तरीके से देखरेख होती है।

भूतपूर्व प्रसिद्ध खिलाडियों को आर्थिक पेंशन योजना में निदेशालय को पत्र भेजा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । आत्या पात्या अर्न्तराष्ट्रीय खिलाड़ी से सभी औपचारिकतायें पूर्ण कराकर आवेदन प्रार्थना पत्र अपनी संस्तुति सहित, भूतपूर्व प्रसिद्ध खिलाडियों को आर्थिक पेंशन योजना के अर्न्तगत आपकी सेवा में स्वीकृति हेतु भेजा था। उसकी प्रतिलिपि उक्त खिलाड़ी को गयी थी । स्वीकृति की सूचना 3 माह बीत जाने के बाद कोई सूचना नही मिली। जब में जुलाई माह में खेल निदेशालय आपसे मिलने उक्त खिलाड़ी के साथ गया परन्तु आपके लखनऊ से बाहर होने के कारण सम्पर्क नही हो सका ! खेल निदेशालय में उक्त योजना के तहत आपके द्वारा स्क्रीनिंग कमेटी बनायी गयी थी। उसमें आपके उक्त खिलाड़ी का नाम चयन कर प्रस्तावित कर दिया गया है। परन्तु आज तक प्रार्थना पत्र पैन्डिंग पड़ा है। जब की अन्य आवेदकों के प्रार्थना पत्र निस्तारित करते हुये स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। उक्त खिलाडी बेरोजगार है और उसका जीविका उपार्जन का कोई सहारा नही है । आर्थिक सहायता पेंशन स्वीकृत करने की कृपा करें। जिस पर आपने मुझे आश्वासन दिया था कि मैं स्वीकृत कर दूँगा। कॉल डिटेल निकल वायी जा सकती है। अत: आपसे पुन: नम्र भूतपूर्व प्रसिद्ध खिलाड़ी अमित कुमार सिंह पुत्र दीन राजेन्द्र नगर बरेली की आर्थिक सहायता / पेंशन स्वीकृत कर न्याय करने की कृपा करें।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

आधुनिक रेडिएशन थेरेपी मरीज को नहीं केवल कैंसर को बनाती है निशाना

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जब लोग रेडिएशन थेरेपी शब्द सुनते हैं, तो अक्सर उनके मन में यह धारणा होती है कि यह एक आक्रामक उपचार है, जो जितना इलाज करता है उतना ही नुकसान भी पहुंचाता है। लेकिन सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है। आधुनिक रेडिएशन ऑन्कोलॉजी अब उल्लेखनीय सटीकता वाला क्षेत्र बन चुका है, जिसका उद्देश्य मरीज को नहीं बल्कि केवल कैंसर को निशाना बनाना है। एडवांस्ड इमेजिंग, अत्याधुनिक योजना और नवीनतम डिलीवरी सिस्टम की मदद से आज की रेडिएशन थेरेपी को एक ऐसे शार्पशूटर से तुलना की जा सकती है, जो केवल लक्ष्य को भेदता है और आसपास के हिस्सों को काफी हद तक सुरक्षित रखता है। रेडिएशन थेरेपी उच्च-ऊर्जा किरणों या कणों का उपयोग करके कैंसर सेल्स को नष्ट या नुकसान पहुंचाती है, ताकि वे आगे बढ़ या विभाजित न हो सकें। स्वस्थ सेल्स भी प्रभावित हो सकती हैं, लेकिन वे आमतौर पर कैंसर सेल्स की तुलना में जल्दी ठीक हो जाती हैं। कैंसर के प्रकार और स्टेज के आधार पर रेडिएशन अकेले या सर्जरी, कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी और टारगेटेड दवाओं के साथ मिलकर दी जा सकती है। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के सीनियर डायरेक्टर, डॉ. मनीष भूषण पांडे ने बताया कि पहले रेडिएशन उपचार में चौड़ी बीम का उपयोग होता था, जिससे स्वस्थ टिशूस भी प्रभावित होते थे। लेकिन अब तकनीक ने इसे पूरी तरह बदल दिया है। आईएमआरटी (Intensity-Modulated Radiation Therapy) जैसी तकनीकें डॉक्टरों को ट्यूमर के 3-D आकार के अनुसार रेडिएशन की खुराक को ढालने की सुविधा देती हैं। इसी तरह आईजीआरटी (Image-Guided Radiation Therapy) रियल-टाइम इमेजिंग का उपयोग करती है, जिससे हर बार उपचार के दौरान बीम को सटीक रूप से निर्देशित किया जा सके। एसआरएस (Stereotactic Radiosurgery) और एसबीआरटी (Stereotactic Body Radiotherapy) जैसी तकनीकें कुछ ही सत्रों में अत्यधिक खुराक को एक बहुत छोटे क्षेत्र पर केंद्रित करती हैं।

जैसे पौधे को पानी देने में डिब्बे की बजाय ड्रॉपर का इस्तेमाल किया जाए, तो पानी ठीक वहीं पहुंचता है जहां जरूरत होती है और बाकी मिट्टी सुरक्षित रहती है। इसी तरह सटीक रेडिएशन से स्वस्थ अंग और टिशूस कम प्रभावित होते हैं, जिससे साइड इफेक्ट्स घटते हैं, रिकवरी तेज होती है और कई मामलों में ट्यूमर पर ज्यादा खुराक देकर बेहतर नियंत्रण हासिल किया जा सकता है। दिमाग और रीढ़ की हड्डी के ट्यूमर, सिर और गर्दन के कैंसर, स्तन कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, प्रोस्टेट कैंसर, स्त्री रोग संबंधी कैंसर, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर, बच्चों के कैंसर, हड्डी और सॉफ्ट टिशूस के सारकोमा तथा लिम्फोमा जैसे कई प्रकार के कैंसर के उपचार में किया जाता है। रेडिएशन का उपयोग बीमारी को ठीक करने, उसे नियंत्रित करने या एडवांस्ड अवस्था में लक्षणों को कम करने के लिए किया जा सकता है।

सभी तहसील के पांच गांवों में बनेंगे लीगल एड क्लीनिक निशुल्क मिलेगी कानूनी सलाह

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले के हर तहसील क्षेत्र की पांच ग्राम पंचायतों में लीगल एड क्लीनिक की स्थापना की जाएगी। अपर जिला न्यायाधीश (एडीजे) उमा शंकर कहार के निर्देश पर जिले की तहसीलों में ग्राम पंचायतों के चयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सदर तहसीलदार ने क्लीनिक की स्थापना के लिए संबंधित पांच ग्राम पंचायतों का चयन करके रिपोर्ट एडीजे को भेज दी है। यह कवायद ग्राम न्याय सहायता अभियान के तहत की जा रही है। लीगल एड क्लीनिक तहसील मुख्यालय से दूरस्थ ग्रामीण अंचल की ग्राम पंचायतों में स्थापित हो रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण अंचल में निवास करने वाले पात्र व्यक्तियों को निशुल्क एवं विधिक सहायता और परामर्श मिल सकेगा। उन्हें विधिक अधिकारों के बारे में बताया जाएगा। शिकायतें सुनी जाएंगी। सदर तहसील के इन गांवों में बनेंगे लीगल एड क्लीनिक प्रत्येक केंद्र की स्थापना व्यवस्था जैसे फर्नीचर आदि के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से पांच हजार रुपये खर्च किए जा रहे हैं। ग्राम पंचायत सहायक एवं सचिव पराविधिक स्वयंसेवक के रूप में नामित होंगे। सदर तहसील के घंघोरा पिपरिया, कलापुर, अटा कायस्थान, बिरिया नरायनपुर और परधौली में लीगल एंड क्लीनिक बनेंगे।

रुहेलखंड चौकी निकट नवजात शिशु को थैले में रख छोड़कर भागी मां

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना बारादरी क्षेत्र के रोहिलखंड चौकी के निकट एक पीपल के पेड़ के नीचे बंद थैले में नवजात शिशु कपड़े में लिपटा हुआ मिला। जिसके बाद नवजात को उपचार के लिए जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना बारादरी क्षेत्र स्थित रोहिलखंड चौकी के निकट एक नवजात बच्चे की रोने की आवाज पुलिस टीम को गश्त के दौरान कल दिनांक 20/12/2025 को सायं लगभग 8 बजे के समय सुनाई दी जिसके बाद पुलिस टीम ने बच्चे को तलाश किया बच्चे के रोने की आवाज एक पेड़ के नीचे रखे एक थैले से सुनाई दी तभी पुलिस टीम द्वारा बच्चे को थैले से निकाल कर परमेश्वर हॉस्पिटल में तत्काल उचित उपचार हेतु भर्ती कराया गया तत्पश्चात चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 को सूचना दी गई सूचना पर चाइल्ड हेल्प लाइन टीम से सुपरवाइजर दिव्या कठेरिया एवं केस वर्कर रवि गंगवार ने अस्पताल पहुंचे तथा बच्चे के स्वास्थ्य की जानकारी ली तब डॉक्टर द्वारा कहा गया फिलहाल बच्चे का स्वास्थ्य अभी ठीक है बाहरी कोई भी क्षति बच्चे को नहीं हुई है बच्चे का उपचार चल रहा है बच्चे को आज रात्रि अस्पताल में डॉक्टर की निगरानी में रखना उचित होगा । दिनांक 21/12/2025 को बच्चे को थाना बारादरी के माध्यम से चाइल्ड लाइन को सौंप दिया गया जिसके बाद बच्चे को जिला महिला अस्पताल के एसएनसीयू में सुपरवाइजर मेघना शर्मा व कमला देवी द्वारा भर्ती कराया गया है। चाइल्ड हेल्प लाइन कॉर्डिनेटर सोनू श्रीवास्तव द्वारा बताया गया है कि बच्चे का जिला अस्पताल से स्वास्थ्य परीक्षण पूर्ण हो जाने के उपरांत न्यायपीठ बल कल्याण समिति द्वारा अग्रिम कार्यवाही की जाएगी ।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

न्याय के लिए अपना दल के जिलाध्यक्ष के पास पहुंचा पीड़ित

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर-पीलीभीत।तहसील क्षेत्र के गांव कैचुआ का माली समाज का एक पीड़ित परिवार वर्षों से प्रशासन से न्याय की गुहार लगा रहा था लगभग 10 वर्ष पहले पीड़ित के खेत को जाने वाले रास्ते को गांव के कुछ लोगों द्वारा जोत लिया गया। पीड़ित तहसील से लेकर जिला प्रशासन तक लगातार चक्कर लगाता रहा अंत में हार मानकर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के महामंत्री प्रेम सागर पटेल के पास पहुंचा और अपनी आप बीती बताई और पीड़ित ने कहा कि मेरे पास आत्महत्या के अलावा कोई रास्ता शेष नहीं बचा है। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के जिला महामंत्री एवं अपना दल कमेरावादी के जिलाध्यक्ष प्रेमसागर पटेल द्वारा एसडीम नागेंद्र पाण्डेय को पत्र लिखकर नैसर्गिक न्याय के दृष्टिगत पीड़ित को रास्ता दिलाने की अपेक्षा की गई जिस पर एसडीएम ने नायब तहसीलदार के निर्देशन में चार सदस्यों की कमेटी गठित कर कार्यवाही के निर्देश दिए।

एडवोकेट को न्याय दिलाने को अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। एडवोकेट महजबीन की मौत के मामले में शेष आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सोमवार को एडवोकेट अच्छन अंसारी तमाम अधिवक्ता कलेक्ट्रेट के बाहर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए। एडवोकेट अच्छन ने आरोप लगाया कि इस मामले में मृतका के पति और सास को जेल भेज दिया गया है, लेकिन अन्य नामजद आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। परिजन लगातार उच्च अधिकारियों को पूरे मामले से अवगत करा रहे हैं। इसके बाद भी पुलिस शेष आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं कर रही है, जिससे परिवार को न्याय नहीं मिल पा रहा है। इसी के विरोध में परिजन अधिवक्ताओं के साथ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं।

नशे में चालक ने दौड़ाई कार, कई वाहनों को मारी टक्कर, कई लोग हुए घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। विशप मंडल मैदान के पास रविवार रात तेज रफ्तार ने कहर बरपाया। कार ने कई वाहनों का टक्कर मार दी, जिससे कुछ लोग घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार चालक समेत उसमें सवार युवक शराब के नशे में थे। चालक कार पर नियंत्रण खो बैठा और कई वाहनों को टक्कर मार दी। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। इस बीच चालक कार दौड़ ले गया। शहर के जगतपुर नई बस्ती निवासी 25 वर्षीय अफजल ने बताया कि रविवार रात ठंड अधिक होने के कारण वह अपने मौसेरे भाई अफसर के साथ बाइक से मिशन मार्केट में स्वेटर और जैकेट खरीदने निकले थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक समेत कई वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में अफजल समेत कुछ लोग गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर बेहोश हो गए। सूचना मिलने मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया। घायल अलग-अलग थाना क्षेत्रों के निवासी बताए जा रहे हैं। कार चालक की तलाश में जुटी पुलिस - मढ़ीनाथ निवासी गौरव भी घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि वह काम से लौटते समय अपनी गाड़ी में पेट्रोल डलवाने जा रहे थे, तभी पीछे से तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कुछ लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। कार सवार युवक नशे में थे और नियंत्रण खोने के बाद उन्होंने एक के बाद एक कई वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक मौके से भाग गया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाकर कार चालक की तलाश शुरू कर दी। घटना के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव, ससुराल वाले घर से भागे

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र के गांव डोहरा निवासी सोनू शर्मा की पत्नी शिवानी शर्मा का शव सोमवार सुबह कमरे में फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने के बाद बारादरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पूछताछ करने पर पता लगा कि चार साल पहले सोनू और शिवानी की शादी हुई थी। घरेलू कलह के कारण शिवानी ने आत्महत्या की है। परिजनों ने पुलिस के पहुंचने से पहले ही शव नीचे उतार दिया था। शिवानी शर्मा की ससुराल पक्ष के लोग घर से भाग गए थे। जानकारी मिलने पर मायके वाले पहुंच गए। शिवानी शर्मा के पिता मनीष शर्मा शांति विहार थाना सुभाष नगर के निवासी हैं।

उन्होंने बताया कि सोनू अक्सर उनकी बेटी से मारपीट और उत्पीड़न करता था। परिजनों ने पुलिस के पहुंचने से पहले ही शव नीचे उतार दिया था। शिवानी शर्मा की ससुराल पक्ष के लोग घर से भाग गए थे। जानकारी मिलने पर मायके वाले पहुंच गए। शिवानी शर्मा के पिता मनीष शर्मा शांति विहार थाना सुभाष नगर के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि सोनू अक्सर उनकी बेटी से मारपीट और उत्पीड़न करता था।

हिन्दू संगठनों ने बांग्लादेश पीएम का फूंका पुतला , प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

क्यूँ न लिखूँ सच / पूरनपुर-पीलीभीत। बांग्लादेश में हिन्दूओं की लगातार हत्या हो रही इसके चलतें हिन्दू संगठनों ने सिरसा चौहराहे पर बंगलादेश के पीएम का पुतला फूंका। प्रधानमंन्त्री को संशोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया। सोमवार को अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद सहित अन्य संगठनों ने तहसील परिसर पहुंचकर बंग्लादेश के अंतरिम सरकार के पीएम मोहम्मद युनुस के खिलाफ मुर्दा बाद के जमकर नारे लगाए और प्रधानमंत्री को संशोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी अजीत सिंह को देते हुए बताया। बंग्लादेश में एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा लगातार हिन्दुओं को टारगेट करके उनकी हत्या की जा रही है। दो दिन पूर्व बांग्लादेश के रहने बाले दिपूदास को नंगा करके एक विशेष समुदाय के लोगों ने पहले बेहरमी से जमकर पीटा उसके बाद उसको बस्सी में बांधकर पेड़ में लटकाकर दरिंदों ने आग लगा दी जिससे उसकी मौत हो गई। जिससे भारत में हां कार मरा हुआ है। हिंदू संगठनों में रोष पनप रहा है। एक विशेष समुदाय के दरिंदों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और फांसी की सजा दिवाने की मांग की है। और उन्होंने बताया भारत में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले बेलडांगा में हुमायूं कबीर राखी बाबरी नाम की जो मस्जिद बनने जा रही है। उसे पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाए। इसी के चलते ज्ञापन देने वाले विजय सिंह,रवि जायसवाल,धनंजय मिश्रा,प्रदीप मिश्रा और अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल ने संयुक्त रूप से ज्ञापन दिया गया। कठोर कार्रवाई की मांग की है।

सेंट जोसेफ स्कूल में पैरेंट्स डे का भव्य हुआ आयोजन

♦फोटो- सेंट जोसेफ स्कूल में बच्चों के कार्यक्रम के दौरान

क्यूँ न लिखूँ सच / पूरनपुर-पीलीभीत।सेंट जोसेफ स्कूल में पैरेंट्स डे का भव्य आयोजन,बच्चों ने प्रस्तुत किए मनमोहक कार्यक्रम आयोजित हुए।नगर के सेंट जोसेफ स्कूल में सोमवार को पैरेंट्स डे नन्हे कदम ऊंची उड़ान का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता रहे।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।जिसे मुख्य अतिथि शैलेंद्र गुप्ता, स्कूल मैनेजर फादर ग्रेगरी मस्क्रेनस, प्रधानाचार्या सिस्टर रेम्या सेबिस्टियन, सिस्टर मैरी जॉन एवं कोमल गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया।कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। करियोग्राफर अलीशा कुजूर के निर्देशन में वेलकम डांस भी प्रस्तुत किया गया।

यूकेजी सी'के बच्चे किरनजोत कौर के निर्देशन में क्लीन स्टेप्स,ब्राइट इंडिया, नर्सरी,ए के बच्चों ने अमनदीप कौर के निर्देशन में स्टॉप,वेट गो,तथा यूकेजी बी,के बच्चों ने रेणु सिंह के निर्देशन में नो टू प्लास्टिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

नर्सरी,बी'के बच्चों ने मुस्कान अनम के निर्देशन में कलर्स ऑफ क्रिएशन, यूकेजी,एके बच्चों ने प्रीति सक्सेना के निर्देशन में एयर इन डेंजर,और एलजी ए' के बच्चों ने रितु रानी गुप्ता के निर्देशन में नेचर्स मेलोडीकी शानदार प्रस्तुति दी। इसके बाद जिंगल एंड जॉय कार्यक्रम में सांता क्लॉज ने बच्चों व अभिभावकों का भरपूर मनोरंजन किया। मौके पर मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता को स्कूल प्रबंधन व प्रधानाचार्या द्वारा सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सेंट जोसेफ स्कूल एक शानदार शिक्षण संस्थान है और वे स्वयं भी इस स्कूल के अभिभावक रह चुके हैं। उन्होंने कार्यक्रम की थीमनन्हे कदम, ऊंची उड़ान卐की सराहना करते हुए कहा कि नगर पालिका अध्यक्ष होने के नाते उनका हमेशा साफ-सफाई पर विशेष जोर रहा है। उन्होंने बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्कृष्ट कार्यक्रमों के लिए सभी को बधाई दी।बच्चों के नृत्य व अन्य प्रस्तुतियों पर अभिभावकों ने जमकर तालियां बजाकर उत्साहवर्धन किया।इस मौके पर काफी छात्र और अभिभावक भी मौजूद रहे।

श्री राम काव्य पाठ प्रतियोगिता में माही अग्रवाल बनी विजेता

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। चन्द्रलोक इंस्ट्यूटि ऑफ मेडिकल सांइस बरेली एवं श्रीमती उषा रानी मेमोरियल ट्रस्ट, बरेली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित श्री राम काव्य पाठ प्रतियोगिता 2025 में महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय बरेली की छात्रा माही अग्रवाल द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उन्हें 2500/- रू0 की नकद राशि प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। टीम लीडर श्रीमती नमिता गुप्ता, श्रीमती उपमा गुप्ता और विकास कुमार सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि लगभग 30 स्कूल व कॉलेजों ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया था।

इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की ओर से माही अग्रवाल के अतिरिक्त उज्जवल तिवारी, निधि कश्यप, महक प्रभाकर ने भी प्रतियोगिता में भाग लिया।

उनको भी प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। छात्रों की इस सफलता पर महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति (रजि.) बरेली के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेम शंकर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र अग्रवाल, निदेशक डॉ0 प्रवीन कुमार अग्रवाल, प्राचार्य डॉ0 सौरभ अग्रवाल ने एवं महाविद्यालय के सभी शिक्षकों ने छात्रा की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कमरे में फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव, ससुराल वाले घर से भागे

बरेली के बारादरी थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव सोमवार सुबह उसके ही घर में फंदे से लटका मिला। घटना के बाद विवाहिता के ससुराल वाले घर से भाग गए।बरेली के बारादरी थाना क्षेत्र के गांव डोहरा निवासी सोनू शर्मा की पत्नी शिवानी शर्मा का शव सोमवार सुबह कमरे में फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने के बाद बारादरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पूछताछ करने पर पता लगा कि चार साल पहले सोनू और शिवानी की शादी हुई थी। घरेलू कलह के कारण शिवानी ने आत्महत्या की है।परिजनों ने पुलिस के पहुंचने से पहले ही शव नीचे उतार दिया था। शिवानी शर्मा की ससुराल पक्ष के लोग घर से भाग गए थे। जानकारी मिलने पर मायके वाले पहुंच गए। शिवानी शर्मा के पिता मनीष शर्मा शांति विहार थाना सुभाष नगर के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि सोनू अक्सर उनकी बेटी से मारपीट और उत्पीड़न करता था। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

लव जिहाद करने वालों को मिट्टी में मिला देंगे... महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने दिया बयान

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कहा कि लव जिहाद करने वाले लोगों को मिट्टी में मिला देंगे। ऐसे लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कहा कि लव जिहाद हिंदू महिलाओं के साथ एक खेल है। ऐसा करने वालों को हम मिट्टी में मिला देंगे। उन्होंने कहा कि पूरा मामला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संज्ञान में है। मैं

खुद सीएम साहब को पूरे मामले के बारे में बता चुकी हूं।उन्होंने कहा कि केजीएमयू के रेजिडेंट डॉक्टर रमीज मलिक द्वारा धर्म परिवर्तन कराया गया व लव जिहाद जैसी घटना को अंजाम दिया गया जिसकी शिकायत पीड़िता ने राज्य महिला आयोग से की है। ये दुर्भाग्य है कि हमारे देश में लव जिहाद जैसी घटना बेटियों के साथ होती है।हम डॉ रमीज मलिक और उसके साथ लव जिहाद में शामिल लोगों को गिरफ्तार करवाएंगे। एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। अभी पीड़िता डरी हुई है वो महिला आयोग आई है। मामले में एफआईआर दर्ज करवाकर कार्रवाई की जाएगी। जो लोग लव जिहाद मामले में रेजिडेंट डॉक्टर मलिक के साथ शामिल हैं। उनको भी सजा होगी। उन्होंने बताया कि डॉ मलिक की पहले भी शादी हो चुकीं थी। पहली शादी भी एक हिन्दू महिला से हुई थी। उसका भी धर्म परिवर्तन कराया गया था। एक बार फिर पीड़िता पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जा रहा है। मामले में केजीएमयू के प्रॉक्टर से भी शिकायत की गई है।

शराब के नशे में चालक ने दौड़ाई कार, कई वाहनों को मारी टक्कर, कई लोग घायल

बरेली के विशप मंडल मैदान के पास चालक ने तेज रफ्तार से कार दौड़ाई, जिसकी चपेट में कई वाहन आ गए। हादसे में कई लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद चालक कार भगा ले गया। बरेली के विशप मंडल मैदान के पास रविवार रात तेज रफ्तार ने कहर बरपाया। कार ने कई वाहनों का टक्कर मार दी, जिससे कुछ लोग घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार चालक समेत उसमें सवार युवक शराब के नशे में थे। चालक कार पर नियंत्रण खो बैठा और कई वाहनों को टक्कर मार दी।

घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। इस बीच चालक कार दौड़ ले गया। शहर के जगतपुर नई बस्ती निवासी 25 वर्षीय अफजल ने बताया कि रविवार रात ठंड अधिक होने के कारण वह अपने मौसेरे भाई अफसर के साथ बाइक से मिशन मार्केट में स्वेटर और जैकेट खरीदने निकले थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक समेत कई वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में अफजल समेत कुछ लोग गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर बेहोश हो गए। सूचना मिलने मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया। घायल अलग-अलग थाना क्षेत्रों के निवासी बताए जा रहे हैं। कार चालक की तलाश में जुटी पुलिस मढ़ीनाथ निवासी गौरव भी घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि वह काम से लौटते समय अपनी गाड़ी में पेट्रोल डलवाने जा रहे थे, तभी पीछे से तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कुछ लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। कार सवार युवक नशे में थे और नियंत्रण खोने के बाद उन्होंने एक के बाद एक कई वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक मौके से भाग गया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाकर कार चालक की तलाश शुरू कर दी। घटना के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर-पीलीभीत।सड़क हादसे में वृद्धा घायल हो गई उसे गंभीर अवस्था में जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पटनिया निवासी प्रेमपाल की पत्नी नन्ही देवी 65 बर्ष घरेलू सामान की खरीदारी करने बाजार जा रही थी। डिग्री कॉलेज मार्ग पर अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल अवस्था में उसे नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर महिला को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

समाजवादी पार्टी महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष ने राष्ट्रपति भेजा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / ,महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले मुख्यमंत्री को पद से हटाने की मांग की पूरनपुर-पीलीभीत। महिलाओं के सम्मान में ठेस पहुंचाने वाले मुख्यमंत्री के खिलाफ राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। सोमवार को समाजवादी पार्टी महिला सभा की नगर अध्यक्ष मीनू शर्मा ने महामहिम राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू को संशोधित ज्ञापन एसडीएम अजीत प्रताप सिंह को ज्ञापन देते हुए बताया विहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार द्वारा भरी सभा में एक महिला का हिजाब अपने हाथों खींचकर उस महिला का नहीं बल्कि देश की और दुनिया की हर महिला की आत्मा सम्मान में ठेस पहुंचाई है।जो अत्यधिक निंदनीय है।मीनू शर्मा ने बताया हमारे देश और दुनिया की महिला हिजाब,घुंघट,नकाब और पर्दे को अपना आत्मसम्मान मांगती हैं। एक संविधानिक पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा पूरे देश के सामने एक महिला का नहीं पूरे देश की महिलाओं का अपमान किया है। इस पत्र को संज्ञान में लेकर बिहार के मुख्यमंत्री को सत्ता पद से हटाया जाए। ज्ञापन देने वाली स्नेह लता शर्मा,पूजा वर्मा,नीतू यादव,मिथलेश कुमारी,निशा शर्मा,सोनम खान, समीक्षा देवी और मीनू शर्मा सहित का महिलाएं मौजूद रहीं।

बाल क्रीड़ा समारोह में समूह नृत्य प्रस्तुत करने वाली छात्राओं को किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर-पीलीभीत। नगर के उच्च प्राथमिक कन्या विद्यालय हबीबुल्ला खां की छात्राओं को ब्लॉक क्रीड़ा अधिकारी मुईन अहमद खां ने सम्मानित किया। छात्राओं ने बाल क्रीड़ा समारोह में समूह नृत्य कर अपनी प्रस्तुति दी। इससे पहले भी इस विधालय की छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर विद्यालय का नाम रोशन किया और जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जनपदीय बाल क्रीड़ा समारोह में प्रतिभाग करने वाली छात्राओं में सपना, महिमा, अनुपम शर्मा, अंजली, अंशिका, सारिका,संध्या, प्रिया, पायल देवी, पूर्वी आदि को मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य राम किशोर, सहायक अध्यापिका शोभना कश्यप, स्वरांजलि संगीत विद्यालय के केंद्र व्यवस्थापक देवेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ मिशन पर गोष्ठी

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर-पीलीभीत। नगर के शफी डिग्री कॉलेज में मिशन शक्ति फेज 05 के अंतर्गत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड. विभाग के प्रशिक्षु रितिक शुक्ला ने किया। महाविद्यालय के समन्वयक अनीस बेग ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ भारत सरकार का एक महत्वपूर्ण अभियान है जिसे 22 जनवरी 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू किया था। इसका मुख्य उद्देश्य घटते बाल लिंगानुपात को सुधारना तथा कन्या भ्रूण हत्या रोकना और बालिकाओं के अस्तित्व व शिक्षा को सुनिश्चित करना है। प्राचार्य डॉ. राजेन्द्र कुमार ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का उद्देश्य बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के बीए, बीएससी, बीसीए, बीएड और डीएलएड के समस्त छात्र-छात्राएं, प्रवक्ता फईम सिद्दीकी, रविन्द्र पाल सिंह गंगवार, चिरंजीव गंगवार, अनिल कुमार, शोभना शुक्ला आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे।

कीर्तन से किया आह्वान, मुंडन से जताया विरोध: चांदनी बिहारपुर में बिजली आंदोलन अपने चरम पर

अंधेरे के खिलाफ आर-पार की लड़ाई- चांदनी बिहारपुर में बिजली के लिए 8 दिन से अनिश्चितकालीन हड़ताल, 17 ग्राम पंचायतों के 26 आश्रित ग्राम-लगभग 20 हजार ग्रामीण अंधेरे में

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर / सूरजपुर जिले के वनांचल एवं आदिवासी बहुल क्षेत्र चांदनी बिहारपुर में वर्षों से लंबित बिजली समस्या को लेकर ग्रामीणों का आंदोलन अब आर-पार की लड़ाई में तब्दील हो चुका है। विद्युत आपूर्ति की मांग को लेकर जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल आठवें दिन भी पूरी मजबूती के साथ जारी है।

आंदोलनकारियों ने साफ शब्दों में ऐलान कर दिया है कि जब तक बिजली की मांग पूरी नहीं होगी, तब तक हड़ताल समाप्त नहीं की जाएगी, चाहे परिस्थितियां कितनी ही कठिन क्यों न हों।

इस आंदोलन की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है

कि क्षेत्र की 17 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत 26 आश्रित ग्रामों के लगभग 20 हजार ग्रामीण आज भी अंधेरे में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। बिजली के अभाव में बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य सेवाएं, महिलाओं की सुरक्षा, मोबाइल नेटवर्क, रोजगार और दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि आजादी के दशकों बाद भी उन्हें बिजली जैसी मूलभूत सुविधा के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

कड़ाके की ठंड, सीमित संसाधन और प्रशासनिक उपेक्षा के बावजूद आंदोलनकारियों का हौसला कमजोर नहीं पड़ा है। हड़ताल स्थल पर युवा, महिलाएं, बुजुर्ग और छात्र बड़ी संख्या में डटे हुए हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि यह लड़ाई किसी राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं, बल्कि अपने हक और सम्मान के लिए है।

आंदोलन को प्रभावी और संवेदनशील बनाने के लिए ग्रामीणों द्वारा शांतिपूर्ण लेकिन प्रतीकात्मक विरोध अपनाया जा रहा है। हड़ताल के सातवें दिन आंदोलनकारियों ने रामायण कीर्तन कार्यक्रम आयोजित कर शासन-प्रशासन का ध्यान अपनी पीड़ा की ओर आकर्षित किया। कीर्तन के माध्यम से ग्रामीणों ने धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से यह संदेश दिया कि उनका संघर्ष न्यायपूर्ण है।वहीं आठवें दिन आंदोलनकारियों ने प्रशासन की उदासीनता के खिलाफ सिर मुंडवाकर अनोखा और भावनात्मक विरोध दर्ज कराया। मुंडन करने वाले कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह उनका अंतिम विकल्प नहीं,

बल्कि वर्षों से अनसुनी पीड़ा का प्रतीक है। उनका कहना है कि हर बार केवल आश्वासन मिला, लेकिन जमीन पर बिजली आज तक नहीं पहुंची।

ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली समस्या से दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन पूरी तरह अवगत हैं, इसके बावजूद अब तक कोई ठोस निर्णय या कार्ययोजना सामने नहीं आई है। इसी कारण ग्रामीणों को मजबूर होकर आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा।

आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र विद्युत विस्तार कार्य प्रारंभ नहीं किया गया, तो आंदोलन को और अधिक व्यापक और तीव्र किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। फिलहाल चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में जनाक्रोश बढ़ता जा रहा है और पूरे जिले की निगाहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं। उल्टे स्थानीय भाजपा नेता उटपटांग बयान दे रहे है जिससे आंदोलनकारी भड़क गए है आंदोलन से जुड़े युवा अब आर-पार की लड़ाई लड़ने की बात कह रहे है। बहरहाल अब तक ग्रामीणों की बिजली विस्तार की मांग पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। जिसको लेकर आज धरने पर बैठे तुलसीराम जायसवाल उपसरपंच, गजमोचन सिंह सरपंच संघ अध्यक्ष, जितेंद्र साकेत,लक्ष्मण जायसवाल, रामराज सिंह,भानुप्रताप खैरवार ने अपना सर मुंडन संस्कार करवाकर विरोध प्रदर्शन किया और मीडिया के माध्यम से केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार को अपनी मांगों से अवगत कराया है।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब से फरार आरोपी गिरफ्तार, कोलारस पुलिस की बड़ी कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा / शिवपुरी, ब्यूरो। थाना कोलारस पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए अपराध क्रमांक 354/25 में फरार चल रहे आरोपी हरजिंदर सिंह जाट को पंजाब के जिला गुरदासपुर स्थित बटाला से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देश पर जिले में फरार अपराधियों की धरपकड़ के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री संजीव मुले एवं एसडीओपी कोलारस श्री संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोलारस निरीक्षक गब्बर सिंह गुर्जर के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

पुलिस टीम को बटाला थाना सिविल लाइन, जिला गुरदासपुर (पंजाब) भेजा गया, जहां दिनांक 22.12.2025 को अपराध क्रमांक 354/25 धारा 69 बीएनएस, 3(2)(1) एससी/एसटी एक्ट, इजाफा धारा 3(1)(2)(द्वद्ध) एससी/एसटी एक्ट में फरार आरोपी हरजिंदर सिंह पुत्र कुबेर सिंह जाट, निवासी बटाला, थाना सिविल लाइन, जिला गुरदासपुर को गिरफ्तार किया गया।

इस कार्रवाई में एसडीओपी श्री संजय मिश्रा, निरीक्षक गब्बर सिंह गुर्जर (थाना प्रभारी कोलारस), सहायक उप निरीक्षक अमृतलाल भिलाला, प्रधान आरक्षक 782 सुधीर सिंह, आरक्षक 291 राहुल परिहार एवं आरक्षक राजकुमार भिलाला थाना बदरवास, जिला शिवपुरी की सराहनीय भूमिका रही। कोलारस पुलिस की इस कार्रवाई से फरार आरोपियों के विरुद्ध सख्त संदेश गया है और जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

इंडो-नेपाल सीमा पर थाना मल्हीपुर पुलिस ने गश्त कर की सघन चेकिंग

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। मल्हीपुर जनपद श्रावस्ती में सीमा सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने हेतु पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में पुलिस की टीमें इंडो-नेपाल बॉर्डर पर लगातार गश्त, चेकिंग और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रही हैं। इसी क्रम में थाना मल्हीपुर पुलिस द्वारा इंडो-नेपाल बार्डर स्थित तिकोनी मोड पर पैदल गस्त किया गया तथा आने-जाने वाले व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग की गई। इसके अतिरिक्त अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थानीय पुलिस बल द्वारा बॉर्डर पर पैदल गश्त करते हुए आने-जाने वाले व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग की गई, साथ ही सीमा क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति का निरीक्षण किया गया। श्रावस्ती पुलिस आम जनता से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि व्यक्ति या वस्तु की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस अथवा डायल 112 पर देकर जिम्मेदार नागरिक बन कर देश की रक्षा में अपना योगदान दे।

मानव तस्करी रोकथाम विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमान्डेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के नेतृत्व में वाहिनी मुख्यालय भिनगा में मानव तस्करी को रोकने से संबंधित दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य मानव तस्करी जैसी गंभीर सामाजिक अपराध की रोकथाम हेतु जवानों को जागरूक, संवेदनशील एवं प्रशिक्षित करना है।

कार्यशाला के प्रथम दिवस मो. रमीज रजा, टेक्निकल असिस्टेंट, हिदायतुल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, रायपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा मानव तस्करी से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर वाहिनी के जवानों को विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने मानव तस्करी की परिभाषा, इसके विभिन्न स्वरूप, सीमावर्ती क्षेत्रों में इसकी पहचान, तस्करों द्वारा अपनाए जाने वाले तरीके, पीड़ितों की पहचान, बचाव एवं संरक्षण, तथा मानव तस्करी से संबंधित प्रचलित कानूनी प्रावधानों पर विस्तृत प्रकाश डाला।

इस अवसर पर कमान्डेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि मानव तस्करी एक संगठित अपराध है, जिसकी रोकथाम के लिए सुरक्षा बलों की सजगता, जागरूकता एवं कानूनी जानकारी अत्यंत आवश्यक है।

यूपी में गन्ना मूल्य 30 रुपए बढ़ा: श्रावस्ती के गिलौला क्षेत्र के किसान खुश, मिला आर्थिक लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश सरकार ने गन्ना किसानों के लिए ?30 प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की घोषणा की है। इस फैसले से श्रावस्ती जनपद के गिलौला क्षेत्र के किसानों में खुशी का माहौल है। वर्तमान में गन्ना पेराई का सीजन चल रहा है, और किसान अपने खेतों से गन्ने की कटाई कर मिलों में बेच रहे हैं। सरकार का यह निर्णय किसानों के लिए एक बड़ी राहत माना जा रहा है। किसानों के अनुसार, पिछले वर्ष गन्ने का समर्थन मूल्य ?375 प्रति क्विंटल था,30 की इस वृद्धि से किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिल रहा है। इससे गन्ने की कटाई, ढुलाई और मजदूरों के मेहनताने जैसे खर्चों को पूरा करने में मदद मिलेगी, जो पहले किसानों को अपनी जेब से वहन करने पड़ते थे। गिलौला क्षेत्र के किसानों ने बताया कि बढ़े हुए दामों से अब मजदूरों को समय पर और पूरा मेहनताना दिया जा सकेगा। इससे कृषि कार्य सुचारु रूप से चल रहे हैं और किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी नहीं पड़ रहा है। किसानों का मानना है कि यदि सरकार इसी तरह किसानों के हित में निर्णय लेती रही, तो खेती अधिक लाभकारी बन सकेगी। गन्ना किसानों ने इस निर्णय के लिए प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह मूल्य वृद्धि छोटे और मध्यम किसानों के लिए विशेष रूप से सहायक सिद्ध हुई है। क्षेत्र के गन्ना किसानों में इस फैसले को लेकर संतोष का माहौल है।

रीवा के विकास को लगे नए पंख, रीवा इंदौर विमान सेवा का हुआ शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रदीप कुमार तिवारी डिप्टी मैनेजर संपादक/

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला एवं नगरीय विकास, आवास और संसदीय कार्य विभाग मंत्री कैलाश विजयवर्गी तथा रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा की उपस्थिति में रीवा इंदौर विमान सेवा का हुआ शुभारंभ, रीवा एयरपोर्ट के समक्ष लोक नृत्य का आयोजन किया गया जिसमें कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी एवं लोक गायिका के गीत से पूरे रीवा एयरपोर्ट का माहौल गरिमामई वातावरण निर्मित हो गया

उपमुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि रीवा से इंदौर हवाई सेवा से विंन्ध क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नई गति मिलेगी तथा विकास, व्यापार और पर्यटन के अवसरों को सशक्त बनाएगा

विमान सेवा की वजह से विंध्य क्षेत्र के इंदौर में निवासरत हजारों नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलेगी और इंदौर विमानतल से मुंबई, दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद, बेंगलुरु आज शहरों के साथ ही विदेश के लिए भी सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी विमान सेवा के शुभारंभ से विंध्य क्षेत्र के सतना, सीधी, शहडोल, मऊगंज आदि जिलों के नागरिकों को भी व्यापार, व्यवसाय और साथी विद्यार्थियों को शिक्षा में सुविधा मिलेगी

रीवा से इंदौर के लिए एटीआर 72 विमान ने उड़ान भरी इंडिगो एयरलाइंस की इस नियमित सेवा में वायुयान सुबह 11-30 बजे इंदौर से रवाना होकर दोपहर 1-15 बजे रीवा आया तदुपरांत 1-35 में रीवा से इंदौर के लिए रवाना हो गया इंडिगो एयरलाइंस के विमान से नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय अपने 40 से अधिक सदस्यों के साथ इंदौर से रीवा पहुंचे जहां उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला एवं रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने रीवा एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला वायुयान सेवा के माध्यम से 70 से अधिक सदस्यों के साथ इंदौर के लिए रवाना हुए

बीच सड़क महिला व मासूम बच्ची से मारपीट, वायरल वीडियो से मचा हड़कंप

मुरादाबाद। थाना सिविल लाइंस क्षेत्र में एक व्यक्ति बाइक से महिला और बच्ची को लेकर डिप्टी गंज की ओर जा रहा था। अचानक आरोपी ने बीच सड़क बाइक रोकी और सरेआम महिला व बच्ची से मारपीट शुरू कर दी। देखते ही देखते यह दृश्य हिंसा में बदल गया, जिसे देखकर राहगीरों और आसपास के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। घटना का सोशल मीडिया वीडियो वायरल हो रहा है।

रविवार को थाना सिविल लाइंस क्षेत्र में डिप्टी गंज रोड पर महिला और बच्ची के साथ मारपीट के आरोपी की दरिंदगी वायरल वीडियो में देखने को मिली। वीडियो में प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपी बेहद उग्र अवस्था में था। उसने न किसी की बात सुनी और न ही रोकने वालों की परवाह की। महिला और मासूम बच्ची को वह लगातार बेरहमी से पीटता रहा। कई राहगीरों ने साहस दिखाते हुए बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा था। इसी दौरान मौके पर मौजूद अन्य महिला और छोटी बच्ची के साथ भी मारपीट किए जाने की बात सामने आई। वायरल वीडियो मारपीट के दौरान पीड़ित महिला चीख-चीखकर सड़क पर आरोपी से रहम की गुहार लगाती रही। महिला की चीखें और मासूम बच्ची की हालत देखकर मौके पर मौजूद लोगों का दिल दहल उठा। यह पूरा घटनाक्रम किसी राहगीर द्वारा मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया गया। वायरल वीडियो सामने आने के बाद पूरे मुरादाबाद में इस घटना को लेकर चर्चा तेज हो गई है। वीडियो वायरल होने के बावजूद अब तक पुलिस या वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान या कार्रवाई सामने न आने को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। महिला और मासूम बच्ची की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की जा रही है। सिविल लाइन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना ने बताया कि कोतवाली में कोई महिला शिकायत करने नहीं आई और न ही उसके कोई परिजन आए। वायरल वीडियो में देखा जा रहा है कि एक व्यक्ति महिला और बच्ची को मार रहा है। उस व्यक्ति का चेहरा देखकर उस खोजने का प्रयास किया जा रहा है, इससे पहले कोई तहरीर और शिकायत आती है तो कार्रवाई की जाएगी।

साली के प्यार में जीजा मोबाइल टावर पर चढ़ा, चार घंटे बाद उतरा

सहार थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव में सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब साली के प्यार में पागल बताए जा रहे एक युवक ने गांव के बाहर लगे मोबाइल टावर पर चढ़कर हंगामा शुरू कर दिया। घटना सुबह करीब 9-30 बजे की है। युवक की पहचान शहरुद्दीन उर्फ शेरा पुत्र अब्दुल हमीद उम्र लगभग 30 वर्ष के रूप में हुई है। बताया गया कि उसने खुद 112 पर सूचना दी थी कि वह स्वयं अपनी साली अंजली पुत्री रसीद खां, निवासी पिपरौली, थाना बेला क्षेत्र से प्रेम संबंध को लेकर मानसिक रूप से परेशान था।परिजनों के अनुसार शहरुद्दीन की शादी रूबी से हुई है, जिससे उसका दो वर्ष का एक बेटा असद है। पत्नी और बच्चा घर पर ही रहते हैं। युवक के पिता अब्दुल हमीद ने बताया कि शहरुद्दीन काफी समय से घरवालों को परेशान कर रहा था और आए दिन विवाद करता रहता था। सोमवार सुबह अचानक वह घर से निकलकर गांव के बाहर स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गया और नीचे उतरने से इनकार करने लगा।टावर पर चढ़ने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सहार थाना प्रभारी रमेश सिंह, उप निरीक्षक अब्दुल सत्तार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एहतियातन फायर ब्रिगेड और 108 एंबुलेंस को भी बुलाया गया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने युवक को समझाने-बुझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन वह किसी की बात मानने को तैयार नहीं था और लगातार साली को बुलाने की जिद करता रहा। लगभग चार घंटे तक चले ड्रामे के बाद पुलिस ने बेला थाना क्षेत्र से युवक की साली अंजली को मौके पर बुलवाया। साली के पहुंचते ही युवक शांत हुआ और मोबाइल टावर से नीचे उतर आया। साथ में एक बोतल पैट्रोल भी अपने ऊपर डाल लिया। पुलिस उसे सुरक्षित नीचे उतारकर थाने ले गई, जहां उससे पूछताछ की गई। विषय बना रहा कि प्रेम प्रसंग किस तरह पूरे परिवार और समाज के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और युवक की काउंसलिंग कराकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

Feeling Weak After a Workout? 5 Best Snacks for Muscle Recovery and Instant Energy

After a workout, the body needs instant energy and nutrition for muscle recovery. Healthy snacks can help provide instant energy. These snacks provide essential protein, carbohydrates, and minerals, leaving you feeling energetic and refreshed. A combination of peanut butter and brown bread will provide energy. Greek yogurt and fruit will keep your digestion healthy. Coconut water is the best electrolyte after a workout. The body needs good nutrition for instant energy and muscle recovery after a workout. Eating the right post-workout snack not only helps relieve fatigue quickly, but also repairs muscles quickly, and rejuvenates the body. After a workout, you should eat something that has a balance of protein and carbohydrates, which will provide energy and recovery. Some of the instant energy snacks mentioned here are not only delicious but also help provide instant energy. So let's learn about them: Brown bread with peanut butter - Peanut butter contains healthy fats and protein, while brown bread contains fiber and carbs. The combination of both helps provide instant energy. Greek yogurt and fruit - Greek yogurt is a good source of protein. Eating it with chopped bananas or berries provides energy and improves digestion. Banana smoothie - Banana is rich in potassium and carbohydrates. Make a banana smoothie by adding milk and a little honey and drink it after a workout. Boiled eggs and wheat toast - Eggs contain high-quality whole wheat toast also protein, which helps with muscle recovery. Eating it with provides carbs. Moong dal cheela - Moong dal contains both protein and fiber. Lightly roast it without oil; it improves digestion and provides energy. Dry fruit and nut mix - Dry fruits like almonds, raisins, walnuts, and figs provide instant energy. Eat them in limited quantities. Roasted chickpeas with buttermilk or whey - Roasted chickpeas are a good source of fiber and protein, while whey cools the body and provides energy. Oats bars or granola bars - Homemade oat bars contain honey, oats, nuts, and seeds, which provide instant energy after a workout. Whole-grain sandwiches - Stuff brown bread with cheese or boiled peanuts for a healthy sandwich that's packed with protein and fiber. Coconut water and banana - Coconut water is ideal for replenishing electrolytes after a workout. Paired with a banana, it's a perfect energy booster. Including these healthy snacks in your post-workout diet can help ward off fatigue and help your body recover faster.

These 5 psychological tricks will help people stop taking you for granted. You'll stand out even in a crowd.

Do you ever feel like you're standing out in a group, but no one is paying attention to you? Or are you always ready to help others, yet people don't give you the importance you deserve? In reality, people start taking you for granted when your availability and behavior become too easy. Increase your value by reducing your availability. Speak less, but speak strongly. Demonstrate confidence through your body language. Imagine you're sitting in a gathering. You say something useful, but your words are lost in the air. People listen to you, but they don't believe you. Do you often sacrifice your own happiness to help others, yet in the end, you don't receive the respect you deserve? In fact, there's a harsh truth: "A diamond is precious because it's not found everywhere, and a stone is found in the streets." If people are taking you for granted, it means you've started to undervalue yourself. Psychology says that people will respect you the way you teach them to treat you (How To Be Taken Seriously). If you want people to look at you in a crowd and your words to carry weight, these five psychological tricks (Psychological Tricks For Respect) can be a game-changer for you. Let's find out. Reduce your "availability" - Anything that's always available loses its value. If you drop everything and rush to someone's call just once, people start to think you're empty. What to do: Stop saying "yes" every time. Sometimes it's important to say "no." When you prioritize your priorities, people learn to value your time. Speak less, but speak strongly – People who talk too much often lose the depth of their words. Psychology suggests that people listen more attentively to those who express themselves in few, measured words. What to do: Instead of getting into arguments, express your opinion calmly. When you speak less, the value of your words increases, and people wait to hear you. The magic of eye contact and body language – Your confidence is reflected in your body before your words. If you walk with your shoulders hunched or avoid eye contact while talking, people tend to perceive you as weak. What to do: Look the other person in the eye when speaking. Stand up straight and maintain a dignified gait. Strong body language conveys your power without even speaking. Control your emotions – People who get angry quickly or cry over small things are easily manipulated. People respect those who know how to remain calm even in difficult situations. What to do: Don't react immediately to everything. Stay calm and respond thoughtfully. Your silence can sometimes prove to be your greatest weapon. Avoid self-praise - Stop being a self-praiser. When you boast about your achievements, people get bored and start considering you a "show-off." What to do: Do ??your work so quietly that your success makes the noise. When others praise you, it enhances your identity. Important thing: Respect is not asked for, it is earned. When you start respecting yourself, the world automatically starts respecting you.

Even Stubborn Children Will Be Humble: These 7 Effective Positive Parenting Rules for Today's Parenting

Disciplining children is no easy task, but if you use patience and understanding instead of aggression, the process can become easier and more positive. Yelling or strictness may instill fear in children, but it impacts their behavior and emotional development. Therefore, it's crucial to establish clear rules, maintain discipline yourself, understand your child's emotions, and encourage good behavior. Explain clear and simple rules to children, speak to them with patience and restraint, and always praise their good behavior. Disciplining children is every parent's responsibility, but this is only possible if we exercise restraint and patience. Anger or beating may instill fear in children, but it can also weaken their understanding, self-confidence, and emotional attachment. Parenting today requires understanding more than strictness. If you want your child to remain disciplined and still remain close to you, it's important to adopt calm but effective methods instead of aggression. Here are some smart ways to teach your children to be humble and disciplined. Let's learn about them. Set clear and simple rules. Children should have clear rules, such as play, study, and bedtime. The clearer the rules, the easier they will be to follow. Maintain consistency in rules - If you allow something today and forbid it tomorrow, the child will be confused. Follow the rules in the same manner every time. Speak with patience and restraint - When a child makes a mistake, instead of yelling or hitting, take a deep breath and explain calmly. This will help the child understand your point better. Praise good behavior - Praise children's good work. This helps them understand that positive behavior is appreciated. Be an example yourself - your child will learn the same behavior as you do. Therefore, show discipline in your words and actions. Listen to the child - When the child expresses his views, listen to him seriously. This makes him feel that his opinion is valued. Understand emotional needs - Indiscipline is often a sign of internal problems in the child. Understand his feelings and talk about them. Teach discipline in fun ways - Make the routine interesting with the help of games or charts, so that the child feels involved in the rules. Make him understand the consequences, do not scare him - Explain the consequences of his mistakes clearly to the child, but not in a threatening manner. This will help him learn to take responsibility. All these methods not only make the child polite and disciplined, but also make him mentally and emotionally strong.

Nora Fatehi, who was on her way to a David Guetta concert, was involved in a car accident, suffering a minor head injury.

Nora Fatehi was involved in a car accident while traveling to a concert by American DJ David Guetta in Mumbai. A drunk driver hit her car, causing a head injury. Doctors advised her to rest, but Nora insisted on returning

Bollywood actress and dancer Nora Fatehi, who was on her way to attend Mumbai, was involved in a head-on According to a Hindustan Times festival in Mumbai to attend a concert accident. A source told the news portal her team immediately rushed her to a in the accident. Although she was work and performed at Sunburn 2025 stage with David Guetta and give the international single. The song is a Ciara, and Nora, who also lent her Nora recently made her American Tonight Show," where she sang "What singer Shenseea. In addition to music, make her debut in South Indian cinema to work and performed at Sunburn 2025. Fatehi was involved in an accident in Mumbai. a concert by American DJ David Guetta in collision. She suffered a minor head injury. report, she was on her way to the Sunburn by David Guetta when her car met with an that a drunk driver hit her car, after which nearby hospital. She suffered minor injuries advised to rest, Nora insisted on returning to tonight. During the concert, Nora will take the audience a sneak peek of her upcoming collaboration between Guetta, American singer voice to the project. On the international front, television debut on Jimmy Fallon's "The Do I Know? (Just a Girl)" with Jamaican she is also pursuing her acting career. She will with the upcoming films "Kanchana 4" and "KD: The Devil." Additionally, this year saw the release of "Be Happy," "Uff Yeh Siyappa," and the web series "The Royals." In "The Royals," she co-starred with Ishaan Khatter.

Watching Durlabh Prasad Ki Doosri Shadi will give you a DDLJ-like feel, Mahima Chaudhary makes a special appeal to fans

Actress Mahima Chaudhary arrived in Delhi for the screening of her film "Durlabh Prasad Ki Doosri Shaadi." She explained that the film highlights the positive message of remarriage and a new beginning at any

age. The chemistry between Mahima and Sanjay Mishra has been well-received in the film. Actress Mahima Chaudhary arrived in Delhi for the screening of her film "Durlabh Prasad Ki Doosri Shaadi." She explained that the film highlights the important topic of remarriage and gives a positive message of second chances, new beginnings, and new relationships at any age. Mahima Chaudhary appealed to the audience to watch the film and support it. Sanjay Mishra and Mahima's beautiful chemistry is evident - Sanjay Mishra and Mahima Chaudhary, the much- talked-about pair, have emerged as one of the freshest and most attractive couples of this season. The buzz surrounding "Durlabh Prasad Ki Doosri Shaadi" has been intense since the official teaser was released. Filled with humor, affection, and nostalgia, the teaser showcased the couple's excellent chemistry, which has already sparked excitement among fans. Their wedding video went viral, and people were convinced they had gotten married. Beyond the film's buzz, Mahima's personal life has once again made headlines. She has experienced many ups and downs, including a difficult breakup and a marriage to businessman Bobby Mukherjee. However, the actress is now divorced. Currently, she is focusing on her work and her daughter, Aryana. Durlabh Prasad's Second Marriage is directed by Siddhant Raj Singh. Ekanash Bachchan and Harsh Bachchan are producers, and Ramit Thakur is co-producing. Prashant Singh has written the story. In addition to Mahima Chaudhary and Sanjay Mishra, the film also stars Vyom Yadav, Pallak Lalwani, Praveen Singh Sisodia, Navni Parihar, and Shrikant Verma. The film released in theaters on December 19th.

Dhurandhar's roar shakes the box office, reaching magical figures in just 16 days

Ranveer Singh's film "Dhurandhar" is performing exceptionally well at the box office. Within two weeks, the film surpassed Shah Rukh Khan's Jawaan and Shraddha Kapoor's Stree 2.

The film created history by reaching the magical figure on its 16th day. Due to its tremendous success, the release of "Ikkis" has been postponed. Find out about Dhurandhar's 16th-day collection. Consequently, Agastya Nanda and office seems unstoppable. release on December 25th, has also Dharmendra's film, scheduled for release on January 1st. Ranveer been postponed. "Ikkis" will now completed two weeks at the box office Singh's "Dhurandhar" has second day of release: This Aditya and is still on its way. Dhurandhar's records of several major films at the Dhar-directed film has broken the 15 days. The film opened with a box office. It achieved this feat in just figure has crossed ?500 crore. collection of ?28 crore and today, this the second week, which seems to be a Dhurandhar performed its best in films slow down by the second week, difficult task for other films. Most collection of ?58 crore on its 10th day but Dhurandhar achieved its highest this, the film collected ?207.25 crore and ?53 crore on its 9th day. With its second week. What was the in its first week and ?253.25 crore in 16th day figures have also been collection on the 16th day? Now, the on the 16th day. These are early released. The film collected ?29 crore further. This brings the film's total trends and are expected to increase Jio Studios updated Dhurandhar's collection to ?512 crore. Filmmaker account. The film earned ?23.70 box office collection on its official X brings the film's total Indian box crore on Friday, its 15th day. This is the fastest Hindi film to cross the ?500 crore mark in India. The post reads, "History created, the fastest ?500 crore mark." office collection to ?503.20 crore. It This Shah Rukh Khan film broke the record of Ranveer Singh's Jawaan and Allu Arjun's Pushpa 2. Last year's Pushpa 2: The Rule holds the record for the fastest time to cross the ?500 crore mark. This Telugu film, starring Allu Arjun, was released pan-India and earned ?552.1 crore in 11 days. According to Sacnilk, Dhurandar broke the record of Shah Rukh Khan-starrer Jawaan, which earned ?505.95 crore within 18 days of its release. Meanwhile, comedy-horror film Stree 2, starring Rajkummar Rao and Shraddha Kapoor, had earned Rs 503.25 crore within 22 days of its release in 2024.